मान्यता क्रमांक : COOP/2020/BMR/200295

वीर तेजा नवसृजन संस्थान, बाड़मेर द्वारा संचालित

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा

(जिला बाड़मेर व बालोतरा)

कक्षा 5वीं से 12वीं तक

विशेषताएँ :-

1. प्रतियोगी मूलक परीक्षाओं हेतु स्वयं के पाठ्यक्रम पर आधारित टेस्ट सीरीज, प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षाओं का सफल आयोजन।

2. कक्षा 12वीं के टॉप 10 होनहार व प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में लगातार 3 साल तक निःशुल्क RPSC व UPSC की तैयारी।

3. प्रत्येक कक्षा के टॉप 5-5 विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सहयोगार्थ वार्षिक छात्रवृति।

4. प्रत्येक कक्षा के टॉप 100-100 (कुल 800) प्रतिभाओं को नकद पुरस्कार, प्रशस्ति-पत्र व जिला स्तर पर सम्मान।

5. उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु नियमित मार्गदर्शन व सहयोग।

समर्पण

"यह पुस्तक राष्ट्र निर्माण हेतु कार्यार्थ बाड़मेर के भावी करणधारों की मेहनत, अभिभावकों के सपनों एवं गुरूजनों के निस्वार्थ प्रयासों को समर्पित है।"

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

श्री विरमदेव बूड़िया

(संस्थापक व सचिव, वीर तेजा नवसृजन संस्थान, बाड़मेर)

श्री राऊराम सियाग

(कार्यवाहक प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केरावा, बाड़मेर)

श्री गोवर्धनसिंह भींचर

(वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सियाणी, रामसर)

श्री जगदीशचन्द्र सऊ

(अध्यापक - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुथारों का तला, गरल (बाड़मेर)

हमारी संस्कृति हमारा बाड़मेर

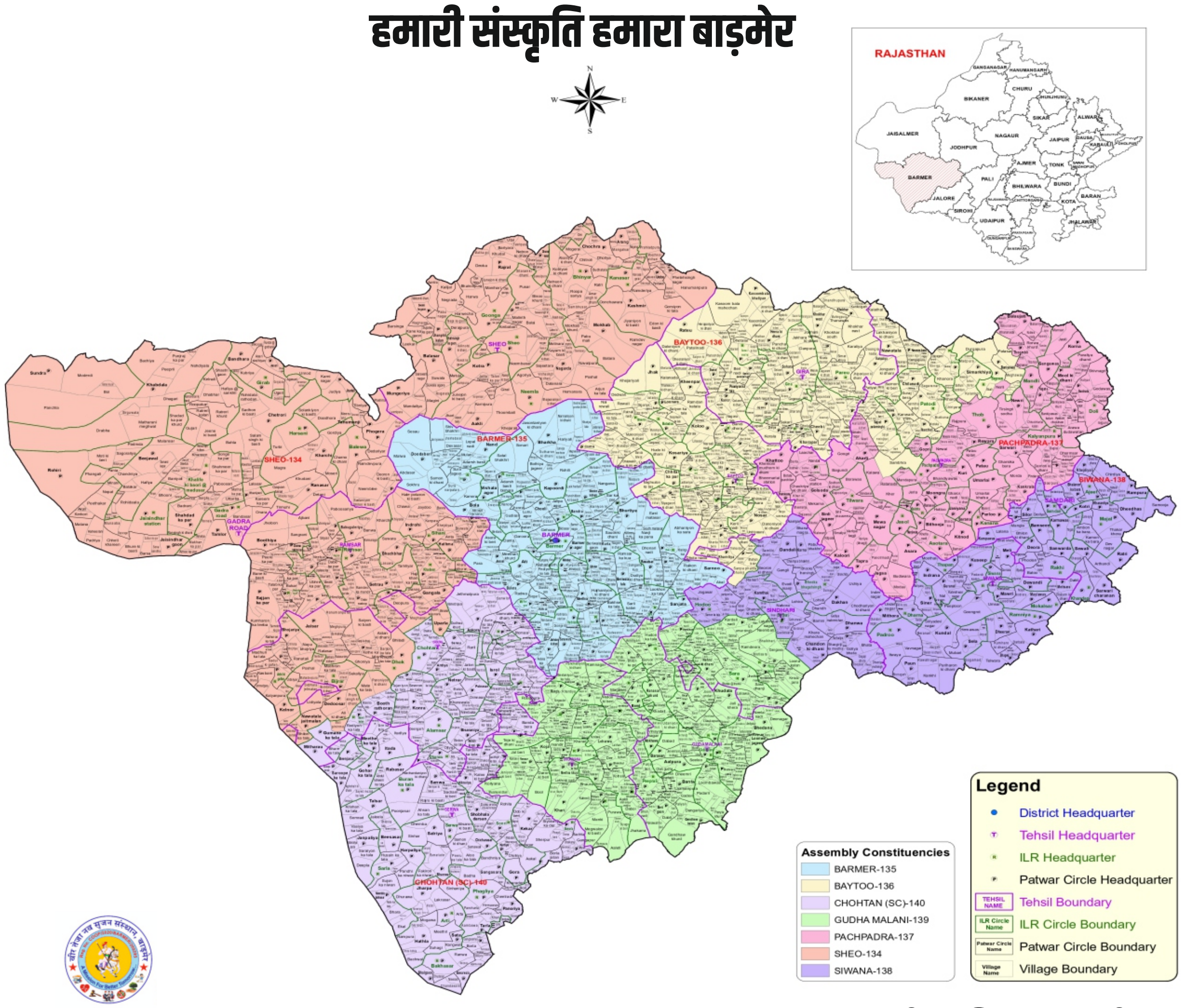

वीर तेजा नवसृजन संस्थान, बाड़मेर

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा

- बाड़मेर (मालाणी क्षेत्र)
- तहसीलें - 18
- पंचायत समितियां - 21
- ग्राम पंचायतें - 685
- राजस्व गांव - 2450
- अंतरराष्ट्रीय सीमा - 228 किलोमीटर
- भौगोलिक स्थिति - थार का रेगिस्तान
- विभाजन - 07 अगस्त 2023 को बालोतरा जिले का गठन
- पर्यटन स्थल -
  नाकोड़ा जैन मन्दिर, खेड़ मन्दिर, विरात्रा धाम, हलदेश्वर, किराडू मन्दिर, महाबार व रोहिड़ी के टीले
- अक्षांशीय विस्तार -
  24.58' से 26.32' उतरी अक्षांश ।
- देशांतरीय विस्तार -
  70.05' से 72.52' पूर्वी देशांतर।
- क्षेत्रफल - 28387 वर्ग किलोमीटर
- आजीविका के साधन -
  कृषि, पशुपालन व व्यवसाय
- क्षेत्रफल की दृष्टि से -
  राज्य में तीसरा व देश में पांचवां स्थान।

सादर आभार...

बदलते युग में आधुनिक सुख-सुविधाओं वंचित से देश का अंतिम सीमावर्ती क्षेत्र बाड़मेर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं जाग्रति के अभाव में कारण दिनों-दिन पिछड़ता जा रहा है। परम्परागत कृषि व पशुपालन के बलबूते गुजर-बसर करने वाले यहां के लोग कर्ज, आत्महत्या, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार की भेंट चढ रहे हैं। अंधविश्वास अपनी चरम पर है जिसके कारण आज के विज्ञान व कम्प्युटर के दौर में भी लोग हजारों मील पैदल यात्रा कर देवताओं से अच्छे दिनों की मन्नत मांगते हैं। क्योंकि नेता और अधिकारी भ्रष्टाचार में डूब गये हैं तो आमजन की पुकार देवताओं के अलावा भला कौन सुन सकता है। न्याय व्यवस्था इतनी जटिल और महंगी हो चुकी है कि जरूरतमंद व्यक्ति द्वारा न्याय की उम्मीद करना भी निरर्थक साबित हो रहा है। लगातार शिक्षा के गिरते स्तर व बिगड़ती प्रशासनिक व्यवस्थाओं के कारण अपराधों व आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि हो रहीं है। सरकारी कार्यालयों की जवाबदेरी धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रही है। शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त होती जा रही है। वर्तमान में स्नातकधारी युवा समझ नहीं पा रहा है कि आगे उसे अपने भविष्य निर्माण के लिए क्या करना चाहिए। क्योंकि आज तक उसने केवल प्रमाण पत्र ही हासिल किए थे। विद्यालयों में शिक्षकों व संसाधनों की कमी के चलते जीवन के सबसे महत्वपूर्ण 12 साल गंवा दिये और जब कॉलेज की बारी आई तो मजबुरन रिश्वत देकर शिक्षा से हाथ धोना पड़ा। एक गरीब पिता अपनी संतान की सफलता के लिए इन 15 वर्षों में लाखों रुपये का कर्जदार बन जाता है लेकिन उसकी सफलता की कहीं कोई गारंटी नहीं है। जहाँ शिक्षा में गिरावर होती है वहाँ अपराध व अंधविश्वास का सर्वाधिक बोलवाला होता है। बस यही कारण है कि नशा, बाल-विवाह व मृत्युभोज लाख कोशिशों के बावजूद भी जस के तस हैं।पिछड़े हुए इस सीमावर्ती क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाकर पुनः जागृति लाने व विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वीर तेजा नव सृजन संस्थान ने बीड़ा उठाया है। संस्थान की एक ऐसी पहल जिससे प्रशासनिक क्षेत्रों में, नीति निर्माण के क्षेत्र में, न्यायिक क्षेत्र में हमारी भागीदारी बढ़ेगी।

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा व बेटा बचाओ अभियान के जरिए इस मुहिम के लिए कंधे से कंधा व कदम से कदम मिलाकर व्यवस्थाओं को बदलने के लिए तमाम प्रबुद्धजन आगे आए हैं। जिनमें से श्री रेखाराम चौधरी (पूर्व CBEO बायतु एवं प्रधानाचार्य बायतु पनजी), श्री खेराजराम लेघा (RP - CBEO ऑफिस बालोतरा), श्री टीकमाराम चौधरी (प्रधानाचार्य - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरली, बाड़मेर), श्री धर्माराम सियाग (प्रधानाचार्य - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खिंयोणी सारणों की ढाणी, सिणधरी), श्री राउराम सियाग (प्रधानाचार्य - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केरावा, बाड़मेर), श्री केसराराम चौधरी (डायरेक्टर - श्री विजय मेमोरियल उच्च माध्यमिक विद्यालय धोरीमन्ना), श्री गोवर्धनसिंह भींचर (वरिष्ठ अध्यापक), श्री अचलाराम लोळ (वरिष्ठ अध्यापक), स्टेट अवार्डी श्री जगदीश प्रसाद बिश्नोई (अध्यापक - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाबुबेरा, धोरीमन्ना), श्री लाखाराम भाम्भू (राजकीय शिक्षक व सचिव - जाट समाज शैक्षणिक एवं विकास संस्थान सेड़वा), श्री जगदीश चंद्र सऊ (राजकीय शिक्षक व समाजसेवी - राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुथारों का तला, गरल), श्री हरचंदराम जयपाल (राजकीय शिक्षक एवं समाजसेवी- कल्याणपुर), श्री गुमानसिंह जाखड़ (RES - CBEO ऑफिस पायलाकलां), श्री चेतनराम लेघा (संस्थापक - सुभाष कम्प्युटर एजुकेशन ऐकेडमी चौहटन), सुश्री मोहनी चौधरी, श्री भंवरलाल डुडी, श्री ओमप्रकाश नेहरा (समाजसेवी), श्री वगताराम सेंवर सारला (शिक्षक एवं समाजसेवी), श्री डूंगराराम सियाग (अध्यक्ष व संस्थापक सहारा माध्यमिक विद्यालय आदर्श बाधा) व सहित कई सज्जनों ने आगे आकर कमान संभाली जिसकी बदौलत बाड़मेर व बालोतरा के 13 हजार से भी अधिक विद्यार्थियों को इस परीक्षा में अपनी किस्मत आजमाने का शुभ अवसर नसीब हुआ। इतना ही नहीं शिक्षा विभाग, प्रशासन, संस्थाओं व तमाम समाजसेवी सज्जनों ने तहदिल से हमें सहयोग व मार्गदर्शन प्रदान किया।

जिनमें से श्री मुरलीधर यादव (मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, बाड़मेर), श्री तनुराम राठौड़ (अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, बाड़मेर), श्री भरतसिंह जाखड़ (पूर्व अधीक्षण अभियंता PHED), श्री ईश्वरराम जाखड़, CBEO, श्री कृष्णसिंह महेचा (जिला शिक्षा अधिकारी - बाड़मेर), श्री देवाराम चौधरी (तत्कालीन अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) - बाड़मेर), श्री भगवानदास बारुपाल (अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक शिक्षा) - बाड़मेर),श्री हीराराम कड़वासरा (CBEO - सेड़वा), श्री अमराराम लीलड़ (CBEO - चौहटन), श्री ईशराराम जाखड़ (CBEO - पायलाकलां), श्री अमरसिंह गोदारा (CBEO - आडेल), श्री खेराजराम चौधरी (CBEO - धोरीमन्ना), श्री बुधराम चौधरी (CBEO - कल्याणपुर), श्री लच्छाराम चौधरी (CBEO - पाटोंदी, श्री रमेश जैन (CBEO - बाड़मेर), श्री भंवरलाल डुडी (ACBEO -बाड़मेर), डॉ. श्री भरत सारण (संस्थापक - फिफ्टी विलेजर्स सेवा संस्थान बाड़मेर, 5 बार गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक), कर्नल श्री बलदेवसिंह सियाग (समाजसेवी जोधपुर), योगाचार्य श्री महिपाल कमेड़िया (जिला प्रभारी - पतंजली युवा भारत, बाड़मेर), श्री जयरामदास मेघवाल (अधिशाषी अभियंता - PHED बाड़मेर), वीर तेजाजी विकास समिति बालोतरा, फिफ्टी विलेजर्स सेवा संस्थान बाड़मेर, कलाम आश्रम बाड़मेर, डूंगर विद्यापीठ बाड़मेर, मां वांकल मालाणी महाविद्यालय चौहटन, ग्रामोत्थान महाविद्यालय सेड़वा, नवसृजन युवा संस्थान बाड़मेर, दिशा बुक डिपो बाड़मेर, Milestone Academy, Barmer, थार विकास सेवा संस्थान बूठिया व वीर तेजाजी शिक्षण संस्थान सारला सहित तमाम संस्थाप्रधानों, गुरुजनों, अभिभावकों व विद्यार्थियों का विशेष सहयोग व मार्गदर्शन रहा। जिसके लिए आप सभी बंधुओं, शुभचिंतकों एवं मार्गदर्शकों का वीर तेजा नवसृजन संस्थान परिवार की ओर से अत्यंत हर्ष, सम्मान व तहदिल से आभार प्रकट करता हूं।साथ ही आप सभी से विनम्र आग्रह करता हूं कि हम सब मिलकर पुनः कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए निस्वार्थ भाव से अपने लक्ष्य की ओर आगे बढने का प्रयास अनवरत जारी रखें।

श्री विरमदेव बूड़िया
संस्थापक एवं सचिव
वीर तेजा नवसृजन संस्थान,बाड़मेर

परीक्षा का उद्देश्य

व्यक्ति व समाज के सर्वांगिन विकास का मजबूत स्तम्भ ही शिक्षा है जिससे राष्ट्र का वास्तविक निर्माण सम्भव है वर्तमान समय मे सामाजिक कुरीतियो की आड़ में आखों पर अंधविश्वास की पट्टी बाँधे, आर्थिक बोझ तले कराहते, नशे व आत्महत्या के शिकार बेरोजगार भावी पीढी व अज्ञानता की गहरी नींद में सोये हुए भारत के भविष्य को जगाकर, उन्हें अदृश्य शक्तियों का स्मरण कराते हुए गुणवतापूर्ण शिक्षा के माध्यम से पुनः सशक्त, सबल, सक्षम व स्वावलंबी बनाने के लिए सुदूर रेगिस्तान के गांव-ढाणियों में छिपी प्रतिभाओं को तलाशने व उन्हें उचित अवसर प्रदान कर तराशने हेतु हमारा सामूहिक प्रयास है।

तीव्र वेग से बदलते युग में विभिन्न परिस्थितियों से जूझ रहे विखण्डित समाज को जाति-धर्म, लिंग-भेद व आर्थिक विभिन्नताओं से ऊपर उठाकार मजबूती प्रदान करने लिए प्रशासनिक, न्यायिक, व्यवसायिक, सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमता को स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है।

राष्ट्र के सतत विकास के लिए वैज्ञानिक नवाचार, कृषि व पशुपालन, औद्योगिकरण, आविष्कार, सैन्य शक्ति, आवश्यक संसाधन, विदेशी सम्बन्ध, उन्नत तकनीकी, मजबूत लोकतंत्र व तमाम सुख-सुविधाओं की परिकल्पना की जा सकती है लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा इन सबका आधार है।

जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरण प्रदुषण, गिरता जल स्तर, बेरोजगारी, तस्करी, नशाखोरी, जमाखोरी, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, अत्याचार व्याभिचार, आत्महत्या, गिरता नैतिक मूल्य व गरीबी मानव मात्र के लिए महाकाल बनकर उभर रही है। ऐसे में बदलती परिस्थितियों से भागने की बजाय डटकर मुकाबला करने की आवश्यकता है। इन तमाम मुसीबतों से मुकाबला करने की ताकत केवल शिक्षा में ही निहित है।

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा न केवल एक सामान्य कार्यक्रम है बल्कि विखण्डित समाज को जोडने, जाति-धर्म, लिंग भेद को मिटाने, नशा, सामाजिक कुरीतियों व आडम्बरों से मुक्ति दिलाने , भावी पीढी को कर्ज व बेरोजगारी से उबारने, सकारात्मक विचारधारा को बढावा देने, वैज्ञानिक पध्दति पर आधारित नवाचार व तर्कशक्ति को बढावा देने, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार एवं पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने व कुटीर उद्योगों को पुनः स्थापित करने हेतु एक दीर्घकालीन व सामुहिक प्रयास है जो सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर है।

अतः समाज के अग्रणी करणधारों, युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों को इस परीक्षा के माध्यम से अचुक अवसर पर गौर करने की आवश्यकता है। इसलिए आइए हम सब मिलकर समाज व राष्ट्र निर्माण के लिए अपने-अपने प्रयासों की आहुति देवें।

विद्यार्थियों के लिए सन्देश

प्रिय विद्यार्थियों,

हर कोई अपने स्वयं व माँ-बाप के सपनों की खातिर दिन-रात कड़ी मेहनत कर कामयाबी हासिल करना चाहता है। कोई नाम के लिए तो कोई ईनाम के लिए मेहनत करता है। किसी को धन से मोहब्बत है तो किसी को वतन से लेकिन पसीने की हर बूंद के गिरने का कोई न कोई कारण अवश्य होता है। आपका भी कोई सपना होगा जिसे प्राप्त करने के लिए आप दिन- रात मेहनत करते हैं। उसी सपने का पीछा करने के लिए सर्वप्रथम आपको एक लक्ष्य निर्धारित करना होगा। अपनी मंज़िल तक पहुँचने के लिए बेहतर योजना बनानी होगी। लक्ष्य प्राप्ति के लिए समय-सीमा तय करनी होगी। अनुशासन व नियमितता बनाए रखनी होगी। कदम-कदम पर कठिनाइयों से मुकाबला करना पड़ेगा। परिस्थितियों से लड़ना पड़ेगा। अपनी छोटी-छोटी कमजोरियों को दूर करने के लिए अपनी आदतों में सुधार करना पड़ेगा। जीवन की अनेकों कठीन परीक्षाएँ उतीर्ण करनी पड़ेगी। ध्यान रहे ये सब आपकों स्वयं करना पड़ेगा। क्योंकि दुनिया को आपकी समस्याओं से कोई फर्क नहीं पड़ता है। लोग सलाह दे सकते हैं पर समाधान नहीं। लोग गिरा सकते हैं पर सहारा नहीं दे सकते। उस दौरान आप धन व संसाधनों की कमी से जूझ रहे होंगे। आपके भीतर कई नकारात्मक विचार उत्पन्न हो रहे होंगे। कई नकारात्मक ताकतें अपनी ओर आकृषित कर रही होगी। आपको लक्ष्य से हटाने के लिए कई प्रलोभन दिए जाएंगे लेकिन आपको अपने अंदर की धधकती ज्वाला को जलाये रखना होगा, अपने लक्ष्य पर डटे रहना होगा। इसके लिए चाहे आपके मित्र आपसे मित्रता न रखे। चाहे रिश्तेदार रिश्ता तोड़ लें। चाहे पूरी दुनिया आपसे मूंह मोड़ ले, लेकिन आपको कभी थकना नहीं है, कभी रुकना नहीं है, उन तमाम परिस्थितियों के आगे कभी झुकना नहीं है।

अपने निज मार्ग पर अनवरत चलते ही रहना है, चलते ही रहना है। यही सफलता का मूल मंत्र है।मेरे देश के भावी करणधारों, आजादी के 77 साल बाद भी हमारा हिन्दुस्तान अशिक्षा, नशा, बेरोजगारी, भूखमरी, रिश्वतखोरी, भ्रष्यचार, अत्याचार व तमाम सामाजिक कुरीतियों का शिकार है। दिन-रात कड़ी मेहनत करने वाला देश का किसान, मजदूर व पशुपालक दिनों-दिन कर्ज तले दबकर अपनी तकदीर को कोस रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव में करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य गर्त में जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या व बेरोजगारी, भुखमरी व अपराधों को खुला आमंत्रण दे रही हैं। ऐसे में आपको जाति - धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना होगा। क्योंकि आप ही इस देश का भविष्य हैं। आप अपनी नई सोच व ऊर्जा से इन तमाम चीजों को बदल सकते हैं। इसलिए आप अपने स्वयं की खातिर, अपने माँ-बाप के सपनों की खातिर, अपने समाज को सकारात्मक दिशा देने की खातिर व अपने राष्ट्रनिर्माण की खातिर दिन-रात कड़ी मेहनत कीजिए। ध्यान रहे इसके लिए केवल किताबी ज्ञान और प्रमाण-पत्र काफी नहीं है। इसके लिए समस्याओं की तह तक जाने की आवश्यकता है। मुझे विश्वास है कि आपमें यह चुनौतिपूर्ण जोखिम उठाने की अपार क्षमताएँ है। आइये आप और हम मिलकर हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला करें। अपने आपको सक्षम बनाएं । अपने राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें। समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए अपने- अपने प्रयासों की आहुतियाँ हैं।

“वक्त से लड़कर जो नसीब बदल दे,
इंसान वही जो अपनी तकदीर बदल दे।
कल क्या होगा कभी मत सोचो,
क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल ले।”

शिक्षकों के लिए सन्देश

परम सम्माननीय गुरुजनों,

सादर वन्दन ।

वर्तमान समय परिवर्तन की पराकाष्ठा पर है, दिनों-दिन चीजें बदल रही हैं। सुई से लेकर मिसाइल तक अपडेट हो रहे हैं। हवा, पानी और भूगोल बदल रहा है, भूत और भविष्य बदल रहा है। गांव शहर बन रहे हैं, शहर महानगर बन रहे हैं। खेत सिकुड़ रहे हैं, इमारते ऊंची हो रही हैं। कम्प्युटर, मोबाईल व सॉफ्टवेर कम्पनियां नित्य अपने आपको अपडेट ही नहीं अपितु Up to date रखती हैं। यहाँ तक कि लोगों के इरादे और तौर तरीके बदल रहे हैं। ऐसे में क्या एक शिक्षक अपने आपको अपडेट नहीं कर सकता? क्योंकि शिक्षक से पढ़ाने का पवित्र कार्य व गुरु होने का सम्मान छीना जा रहा है। सरकार ने शिक्षा की नीतियों में बदलाव कर शिक्षक - अभिभावक को एक-दूसरे के आमने-सामने खड़ा कर दिया है विद्यार्थियों को निशुल्क पोशाकें और मिड-डे मील देकर गुमराह किया जा रहा है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। एक गुरु की आँखों के सामने अपने ही शिष्यों का भविष्य दांव पर लग रहा है और वह अपने बंधे हुए हाथों से कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं। दुनिया की नजर में शिक्षक आलसी हो सकते हैं, मतलबी हो सकते हैं, राजनीतिक हो सकते है और यहाँ तक कि तानाशाह भी हो सकते हैं। लेकिन शिक्षक पर लगे अंकुशों और तकलीफों से कोई वाकिफ नहीं है। शिक्षकों पर पढ़ाने की बजाएं अन्य सरकारी काम थोपे जा रहे हैं। जो नहीं करने पर उन्हें नोटिस पर नोटिस मिलते हैं। एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षकों को भी 50-50 प्रभार सौंपे जाते हैं। लगातार शिक्षकों की कमी के कारण उन्हें क्षमता व योग्यता से बढकर विषय पढाने पड़ते हैं। छुट्टियों का आनन्द छिन गया है। बोलने की आजादी छिन गई। उनके न रहने का ठिकाना है न खाने का प्रबन्ध। परिवार होते हुए भी वनवास भोग रहे हैं। सरकार का कानून है कि शिक्षक विद्यालय में निवास नहीं कर सकता, सरकार की ओर से उनके रहने का कोई प्रबन्ध नहीं है।

ऐसे में शिक्षक को मजबूरन दुरस्त गांवों से शहरों में सिर छुपाने के लिए हमेशा आवागमन करना पड़ता है। सर्दी, गर्मी हो या बरसात शिक्षक अपनी पीठ पर जिम्मेदारियों का बोझ उठाए संघर्षरत ही मिलेंगे। शिक्षकों की जिन्दगी दो जोड़ी कुर्ते-पायजमों और जिम्मेदारियों में जकड़ कर रह गई है। शिक्षा को लेकर सरकार इतनी गंभीर है कि परीक्षा में बैठने वाले हर विद्यार्थी को उत्तीर्ण करना शिक्षकों की मजबूरी है चाहे उस विद्यार्थी ने कुछ लिखा हो या न भी लिखा हो। तमाम परीस्थितियों और रुकावटों के बावजूद भी हमारे शिक्षक पूर्ण ईमानदारी से अपने विद्यार्थियों का भविष्य उज्जवल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि सरकार की तमाम नीतियों, बन्दिशों और परिस्थितियों के बावजूद भी अगर अभिभावकों का Positive Responce और धरातल पर सहयोग मिल जाए तो ये ही शिक्षक तकलीफों की हर सीमा को लांघ सकते हैं। शिक्षा व्यवस्था को पुनः स्थापित कर सकते हैं। आज शिक्षकों की भारी कमी को देखते हुए अनेकों विद्यालय अपना नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। कई गुरुजन भामाशाहों के सहयोग से विद्यालय को मजबूत भौतिक स्वरूप व सौंदर्य प्रदान कर रहे हैं। तो कुछ अपनी मेहनत व लगन से शिक्षा व खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विजय पताका फहरा रहे हैं। मैं तमाम गुरुजनों का हृदय से आभार व्यक्त करना चाहुंगा जो परिस्थितियों के विपरीत जाकर भी शिक्षा, समाज, पर्यावरण व राष्ट्र के लिए बहुत ही बेहतर कर रहे हैं। शिक्षक समाज को जोड़ने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। शिक्षक के सकारात्मक प्रयासों से समाज को नई दिशा प्रदान की जाती है। शिक्षक से ही राष्ट्र निर्माण की उम्मीद की जा सकती है। शिक्षक ही दलदल में फँसे दिशाहीन समाज का नेतृत्व कर उन्हें सही रास्ता दिखा सकता है। मैं तमाम गुरुजनों के श्री चरणों में सादर प्रणाम करता हूँ साथ ही विनम्र अनुरोध करता हूँ कि परिस्थितियों से उपर उठकर आप समाज का कुशल नेतृत्व जारी रखिएगा एक दिन समय बदलेगा, परिस्थितियाँ आपके पक्ष में होगी और आपका खोया हुआ आदर व सम्मान भी लौटेगा।

अभिभावकों के लिए सन्देश

परम आदरणीय अभिभावकों,

सादर प्रणाम!

मनुष्य अपनी संतान को हर हाल में अपने से बढ़कर देखना चाहता है। खुद भले ही कितना भी दुःखी क्यों न हो लेकिन अपनी संतान के चहरे पर मुस्कान देखना चाहता है। खुद चाहे कर्ज में डूबा हुआ हो, फट्टे पुराने कपड़े पहने हो, चाहे बिल्कुल भी पढ़ा लिखा न हो, चाहे नशे का शिकार हो लेकिन अपनी संतान की हर जरुरत पूरा करने में अपनी क्षमता से बढकर मेहनत करते हुए पूरा जीवन न्यौछावर कर देता है। वर्तमान बदलते युग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव हर अभिभावक की चिंता का मुख्य कारण बन चुका है। हर कोई अपने बच्चों के भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति में है। सरकारी तंत्र शिथिल अवस्था में है। निजी क्षेत्र का प्रभाव निरंतर बढ़ता जा रहा है। लोग और अधिक कर्ज में फंसते जा रहे है। विद्यार्थी के पास रट्टा मारने और अपने भाग्य कोसने के अलावा कोई चारा नहीं है। विद्यार्थी स्वयं को यहां तक पता नहीं कि उसे क्या पढ़ना चाहिए, उसे वह क्यों पढ़ना चाहिए और वह जो कुछ पढ रहा है वह उसे क्यों पढ़ाया जा रहा है? और उसे यह सब पढकर क्या हासिल होने वाला है? हमारी शिक्षा प्रणाली विद्यार्थी को किसी ठोस लक्ष्य तक ले जाने में प्रयाप्त नहीं है। शिक्षा को लेकर सरकार व समाज दोनों के प्रयास शून्य की ओर है। आम आदमी के लिए गुणवतापूर्ण शिक्षा का अधिकार केवल कानून की किताबों तक सीमित होता जा रहा है। अशिक्षा व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव के कारण बेरोजगारी, गरीबी, भूखमरी और अपराधों में वृद्धि होती जा रही है। जो निकट भविष्य में बहुत बड़ा संकट बनकर उभरेगा।

मेरे प्यारे अभिभावकों, भविष्य की तमाम समस्याओं से डटकर मुकाबला करने तथा इनसे निजात पाने के लिए हम स्वयं को सजग प्रहरी की भाँति आगे आकर समाज व सरकार को जागृत करना होगा। सरकारी विद्यालयों को पुनर्जिवित करना होगा। बिखरे हुए सरकारी तंत्र को पुनः स्थापित करना होगा। क्योंकि निजी जेलों में बन्द भारत के भविष्य को दीमग लग रही हैं। यहां के विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक ही सीमित हो रहे हैं। इनका सर्वांगिण विकास रुक गया है। वर्तमान में हमारे पास संशाधनों की कमी नहीं है। तो हम सरकार के भरोसे क्यों बैठे हैं? सरकार मंदिर बनाकर नहीं देती, मस्जिद बनाकर नहीं देती फिर भी हमारे देश में लाखों मंदिर-मस्जिद है और वे बहुत बढिया स्थिति में हैं। ऐसे में अगर हम मंदिर व मस्जिद बनाने में लाखों-करोड़ों रुपये का अनुदान दे सकते हैं, निजी विद्यालयों में अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए लाखों रुपये फीस व अलग से ट्यूशन फीस दे सकते हैं तो हम यह सब सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले अपने बच्चों के भविष्य के लिए क्यों नहीं कर सकते हैं? हां हम कर सकते हैं, हम शिक्षा की दयनीय हालत में सुधार ला सकते हैं। इसके लिए हमें नई सोच की जरूरत है। सामुहिक अभियान की जरूरत है। एक क्रांति की जरूरत है। समय रहते हमें इस क्रांति का बिगुल बजाकर आगाज कर देना चाहिए । आओ हम सब मिलकर नई शुरुआत करें। गुणवतापूर्ण शिक्षा की नींव पूनः स्थापित करें, क्योंकि हमें तभी याद किया जाएगा जब हम अपनी युवा पीढ़ी को एक समृद्ध और सुरक्षित भारत देंगे, जो आर्थिक समृद्धि और सभ्यतागत विरासत से मिलकर बना होगा।

आइए, आप समस्त शौभाग्यशाली अभिभावकों का मैं पुनः अभिनंदन करता हूं।

"मंजिल उन्हें नहीं मिलती, जिनके ख्वाब बड़े होते हैं।
बल्कि मंजिल उन्हें मिलती है जो जिद्द पर अड़े होते हैं।"

अनुक्रमणिका

- परीक्षा के लाभ........1 - 2
- आवेदन शुल्क........3
- परीक्षा योजना........4
- चयन प्रक्रिया........5
- पुरस्कार योजना........6
- छात्रवृत्ति योजना........7 - 8
- निशुल्क शिक्षण योजना........9
- गुरुकुल योजना........10
- समय सारणी........11
- कक्षावार पाठ्यक्रम........12
- टेस्टवार पाठ्यक्रम........13 - 28
- आवश्यक दिशा-निर्देश........29 - 31
- महत्वपूर्ण बिन्दु........32 - 33

परीक्षा के लाभ

किसी विद्वान ने ठीक ही कहा था कि "Practice makes a man Perfect" दूसरे शब्दों में कहें तो

"करत-करत अभ्यास के जड़मती होत सुजान,

रसरी आवत-जात ते सिल पर परत निशान ।।

इस प्रकार परीक्षाएँ हमारे द्वारा सीखे गए अनुभव व प्राप्त किए गए ज्ञान का मूल्यांकन है। हम अपने जीवन में पढाई के साथ-साथ कुछ न कुछ सीखते रहते है और छोटी-छोटी परीक्षाएं देते रहते हैं। उनमे से कुछ परीक्षाएँ कठीन होती है जो हमें ज्यादा अनुभव और सबक देती है जबकि कुछ सरल और आसान होती है। ठीक उसी तरह ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा भी आपके सुनहरे भविष्य में चार चांद लगाने वाली साबित हो सकती है। क्योंकि हर कोई अपनी पढाई के साथ-साथ अपनी आजीविका के लिए अवश्य ही सोचता है। ऐसे में जब कोई अपनी विद्यालयी शिक्षा पूर्ण करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने निकलता है तब जानकारी व अनुभव के अभाव में गलत रास्ता चुन लेता है जिसके कारण निकट भविष्य में वह अपनी राह भटक जाता है।

इसलिए हमारा प्रयास है कि हम अपने विद्यार्थियों को ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध करावे ताकि वे अपने स्वविवेक से अपनी सबसे पसंदीदा राह चुनकर प्रयास जारी रख सकें और अतिशीघ्र सफलता की मंजिल फतह कर सकें।

कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु जो इस परीक्षा से संबंधित हैं –

- यह परीक्षा पूर्णतः पाठ्यक्रम पर आधारित होने के कारण विद्यार्थी को स्वयं के पाठ्यक्रम का बार बार अध्ययन व अभ्यास करने का अवसर ।-
- छोटी कक्षाओं से ही OMR शीट पर आधारित परीक्षा देने से डर व झिझक से छुटकारा।
- प्रतियोगी परीक्षाओं में डिप्रेशन व टाईम मैंनेजमेंट की समस्याओं से निजात।
- तर्क शक्ति का विकास ।
- OMR Sheet में गलतियों से निजात।
- NCERT Books से स्वयं के नोट्स बनाने की समझ ।
- स्वयं द्वारा प्रश्न बनाने की समझ ।
- अपने दोस्तों से competition करने का अवसर ।
- अपने वर्ग की भीड़ से आगे निकलकर जीतने का जुनून ।
- सम्मानित लोगों के बीच सम्मान व प्रोत्साहन प्राप्त करने का अवसर ।
- जिलास्तर पर स्वयं का मुल्यांकन करने का अवसर ।

: आवेदन शुल्क :

- ग्रामीण प्रतिभा खोल परीक्षा व टेस्ट सीरीज दोनों ही अलग-अलग concept है जो एक दूसरे के सहायक है। अर्थात् ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा को प्रभावी और आसान बनाने के लिए व पाठ्यक्रम के गहन अध्ययन के लिए टेस्ट सीरीज का शुभारम्भ किया गया। अतः ग्रामीण प्रतिभा खोज प्रारम्भिक परीक्षा हेतु आवेदन शुल्क मात्र 200/- रुपये प्रति छात्र तथा मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन शुल्क मात्र 50/- रुपये प्रति छात्र निर्धारित है। (ध्यान दें- प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी ही मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे।)
- ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा हेतु आवेदन 16 सितंबर 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक निम्नलिखित शर्तों के आधार पर स्वीकार किए जाएंगे।
- स्पेशल ऑफर : 16 सितम्बर 2024 से 31 अक्टूबर 2024 रात्री 12.00 बजे तक 50% छूट। (अर्थात आवेदन शुल्क मात्र 100/- रुपये)
- स्पेशल ऑफर : 1 नवम्बर 2024 से 30 नवम्बर 2024 रात्री 12.00 बजे तक 40% छूट।(अर्थात आवेदन शुल्क मात्र 120/- रुपये)
- स्पेशल ऑफर : 1 दिसम्बर 2024 से 20 दिसम्बर 2024 रात्री 12.00 बजे तक 25% छूट। (अर्थात आवेदन शुल्क मात्र 150/- रुपये)
- 21 नवम्बर 2024 से 31 दिसम्बर 2024 रात्री 12.00 बजे तक सम्पूर्ण शुल्क।(अर्थात आवेदन शुल्क मात्र 200/- रुपये)
- टेस्ट सीरीज हेतू शुल्क विवरण योजनानुसार प्रत्येक 21 दिन के अंतराल में कुल 10 टेस्टों का आयोजन किया जाएगा जिसमें आवेदन करने वाले इच्छुक विद्यार्थी से मात्र 30/- रुपए प्रति टेस्ट शुल्क लिया जाएगा।
- भुगतान की गई राशी किसी भी शर्त पर वापिस नहीं की जाएगी।

परीक्षा योजना

प्रतिभा खोज परीक्षा को सरल, सुगम, पारदर्शी, निष्पक्ष व सुव्यवस्थित बनाने के लिए अनवरत प्रयास जारी है। जो निम्न है.

(1) जिला बाडमेर व बालोतरा के सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों में कक्षा 5 वीं से 12 वीं तक के छात्र-छात्राओं के आवेदन आमंत्रित किए जाते है, जिसमें जाति-धर्म, लिंग, रंग व क्षेत्र को लेकर कोई भेद-भाव नहीं है।

(2) इस योजना के तहत प्रारम्भिक परीक्षा व मुख्य परीक्षा आदि दो अलग-अलग परिक्षाओ का आयोजन किया जाता है।

(3) प्रारम्भिक परीक्षा विद्यालय स्तर पर आयोजित की जाती है जिसमें न्यूनतम 200 विद्यार्थियों पर एक परीक्षा केन्द्र बनाया जाता है। इस परीक्षा में लगभग अर्धवार्षिक परीक्षा तक के पाठ्यक्रम में से कक्षावार 100 - 100 MCQ पूछे जाते है जिनके उत्तर OMR Sheet पर देने होते हैं।

(4) मुख्य परीक्षा- ब्लॉक स्तर पर आयोजित की जाती है जिसमें न्यूनतम 500 विद्यार्थियों पर एक परीक्षा केन्द्र बनाया जाता है। इस परीक्षा में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को शामिल किया जाता है जिसमें से कक्षावार 100 - 100 MCQ पूछे जाते हैं जिनके उत्तर OMR Sheet पर दिये जाते हैं।

(5) यह परीक्षा RPSC व UPSC पैटर्न पर आधारित है।

(6) प्रारम्भिक परीक्षा के प्राप्तांक मुख्य परीक्षा में चयन का आधार है।

(7) मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर निःशुल्क शिक्षा, छात्रवृति, गुरुकल व प्रोत्साहन हेतु चयन किया जाता है।

(8) परीक्षा के प्रश्न-पत्र हिन्दी भाषा में तैयार किए गए है अर्थात परीक्षा हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।

चयन प्रक्रिया

यह परीक्षा कार्यक्रम विशेषतः बाड़मेर व बालोतरा दोनों जिलों के उन विद्यार्थियों के लिए है जो इन्हीं जिलों के मान्यता प्राप्त सरकारी या गैर सरकारी विद्यालयों में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत है। यदि कोई विद्यार्थी बाड़मेर व बालोतरा का मूल निवासी हो और अन्यत्र अध्ययनरत हो या किसी अन्य जिले का विद्यार्थी बाड़मेर व बालोतरा के किसी विद्यालय में अध्ययनरत हो तो वह ईनाम, छात्रवृति व निशुल्क शिक्षण का लाभ प्राप्त नहीं कर सकेगा लेकिन अभ्यास के लिए परीक्षा दे सकता है।

- ईनाम, छात्रवृति व निःशुल्क शिक्षण के लिए विद्यार्थी को दो अलग -अलग परीक्षाओं से गुजरना होगा ।।
  1. प्रारम्भिक परीक्षा
  2. मुख्य परीक्षा।
- <u>प्रारम्भिक परीक्षा</u> - विद्यालय स्तर पर आयोजित होगी। इसमें प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर दोनों जिलों के विद्यार्थियों की कक्षावार मेरीट बनाई जाएगी जिसमें टॉप 1000 - 1000 विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा में हेतु आवेदन करने की अनुमति होगी । तथा इसके प्राप्तांक अंतिम चयन सूची में शामिल नहीं होंगे।
- <u>मुख्य परीक्षा</u> - यह परीक्षा ब्लॉक स्तर पर आयोजित होगी। इसमें प्राप्त अंकों के आधार पर कक्षावार 250 - 250 विद्यार्थियों का जिला स्तर पर चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों द्वारा प्राप्तांकों की मेरीट सूची के आधार पर अलग - अलग पारितोषिक प्रदान किया जाएगा। जिसमें 800 विद्यार्थियों को नकद ईनाम और प्रसस्ति पत्र तथा 1200 विद्यार्थियो को केवल प्रसस्ति पत्र देकर जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार योजना

मुख्य परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर बाड़मेर व बालोतरा के समस्त विद्यार्थियों की मेरीट सूची के अनुसार प्रत्येक कक्षा के 250 - 250 विद्यार्थियों का चयन पुरस्कार के लिए किया जाता है। जिनके रैंकवार पुरस्कार निम्नानुसार है-

क्र.सं.	स्थान	पुरस्कार राशि	कुल विजेता	कुल राशि
1.	प्रथम स्थान	25,000/-	8	2,00,000/-
2.	द्वितीय स्थान	11,000/-	8	88,000/-
3.	तृतीय स्थान	5,100/-	8	40,800/-
4.	4 से 10 तक	2,100/-	56	1,17,600/-
5.	11 से 20 तक	1,100/-	80	88,000/-
6.	21 से 50 तक	500/-	240	1,20,000/-
7.	51 से 100 तक	250/-	400	1,00,000/-

* शेष 1200 विजेताओं को प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

"हारता वह है जो बार - बार शिकायत करता है।
जीतता वह है जो बार - बार कोशिश करता है।।"

छात्रवृत्ति योजना

मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों पर आधारित मेरीट में कक्षावार टॉप 5 - 5 विजेताओं को जिनके परिवार की वार्षिक आय 5 लाख से कम होने पर शिक्षण कार्यों में सहायतार्थ आगामी तीन साल तक या 12वीं उत्तीर्ण करने तक जो भी पहले हो, तक वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जाएगी। जो निम्नानुसार है :-

कक्षा	छात्रवृति राशि	छात्र संख्या	समय	कुल राशि
6	3500 रूपये	5 विद्यार्थी	3 वर्ष	52500/-
7	3500 रूपये	5 विद्यार्थी	3 वर्ष	52500/-
8	3500 रूपये	5 विद्यार्थी	3 वर्ष	52500/-
9	4000 रूपये	5 विद्यार्थी	3 वर्ष	60000/-
10	4000 रूपये	5 विद्यार्थी	3 वर्ष	60000/-
11	5000 रूपये	5 विद्यार्थी	3 वर्ष	75000/-
12	5000 रूपये	5 विद्यार्थी	3 वर्ष	75000/-

यह छात्रवृति केवल बाड़मेर व बालोतरा के निवासी व इन्हीं जिलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को ही देय होगी।

यह छात्रवृति वितरण अर्द्धवार्षिक परीक्षा के तुरंत बाद विद्यार्थी को नकद /चैक द्वारा बैंक खाते में हस्तांतरित की जावेगी।

छात्रवृत्ति योजना

छात्रवृति के लिए विद्यार्थी का चयन होने के 90 दिन के भीतर आवेदन लिए जाएंगे जिसमें निम्नलिखित कागजात आवश्यक होंगे जो विद्यार्थी या अभिभावक द्वारा उपस्थित होकर संस्थान के कार्यालिय में जमा करवाने होंगे-

1. आवेदन फॉर्म
2. उतीर्ण कक्षा की अंकतालिका
3. आधार कार्ड
4. जन आधार कार्ड
5. मूल निवास प्रमाण पत्र
6. आय प्रमाण पत्र
7. बैंक पासबुक
8. अध्ययनरत प्रमाण पत्र
9. मेरीट सूची
10. स्व घोषणा पत्र
11. 02 पासपोर्ट साइज नवीनतम रंगीन फोटो

✦ एक विद्यार्थी को तीन साल की अवधि में बार - बार चयन होने पर भी एक ही छात्रवृति का लाभ ही मिलेगा।

✦ विद्यार्थी द्वारा निर्धारित समय पर छात्रवृति के लिए सम्पूर्ण कागजात सहित त्रुटिरहित आवेदन जमा नहीं कराने पर या तथ्यों को छुपाने पर आवेदन निरस्त कर दिया जायेगा जिसके लिए विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

✦ विद्यार्थी को प्रतिवर्ष अध्ययनरत प्रमाण पत्र जमा करवाना अनिवार्य होगा तथा बीच सत्र में विद्यालय छोड़ने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

✦ छात्रवृति के लिए चयनित विद्यार्थी बाड़मेर व बालोतरा के किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय मे अपना अध्ययन जारी रख सकेंगे।

नि:शुल्क शिक्षण योजना

कक्षा 12 वीं में अध्ययनरत बाड़मेर व बालोतरा के ऐसे विद्यार्थी जो स्थानीय विद्यालयों में पढकर ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा की टॉप 10 मेरीट में स्थान हासिल करते हैं, ऐसे कुल 10 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु देश की सर्वोत्कट शिक्षण संस्थानों में RPSC व UPSC की तैयारी करने का अवसर प्रदान किया जाता है, ऐसे विद्यार्थियों का आगामी 3 साल तक का समस्त शिक्षण शुल्क संस्थान द्वारा सशर्त वहन किया जाएगा।

शर्त :

1. चयनित विद्यार्थी नियमित अध्ययनरत होने पर
2. विद्यार्थी द्वारा नियमित प्रगति करने पर
3. विद्यार्थी द्वारा नियमित उपस्थिति व प्रगति रिपोर्ट दिखाने पर।
4. विद्यार्थी द्वारा उसी सत्र केवल UPSC & RPSC मे से किसी एक पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु देश की सर्वोत्कर्ष शिक्षण संस्थान में आवेदन लेने पर।
5. विद्यार्थी द्वारा जमा शिक्षण शुल्क की रसीद उपलब्ध कराने पर।

✦ संस्थान द्वारा चयनित विद्यार्थी का शिक्षण शुल्क नकद /बैंक खाते में/ चैक द्वारा विद्यार्थी स्वयं को प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक छः माह में 50,000/- रुपये की राशि के रूप में प्रदान किए जाएंगे। जबकि सम्बंधित शिक्षण संस्थानों में अग्रिम शुल्क विद्यार्थी स्वयं को वहन करना होगा!

✦ RPSC व UPSC की तैयारी के लिए आवेदन लेने वाले विद्यार्थी का 3 साल का निर्धारित शिक्षण शुल्क या 3 लाख रुपये में से जो कम हो, संस्थान द्वारा 50 - 50 हजार की अर्द्धवार्षिक किश्तों में विद्यार्थी स्वयं को अदा किया जाएगा तथा शिक्षण शुल्क के अलावा किसी भी प्रकार का शुल्क संस्थान द्वारा वहन नहीं किया जाएगा लेकिन आवेदन लेने के छः साल में किसी भी राजकीय उच्च पद पर चयन होने की स्थिति में संस्थान द्वारा परिस्थितिओं के अनुसार भोजन आदि का अन्य शुल्क वहन किया जा सकता है।

गुरुकुल योजना

संस्थान द्वारा आयोजित ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा कार्यक्रम के तहत आवेदन करने वाले बाड़मेर व बालोतरा के समस्त जाति-धर्मों के विद्यार्थी जो कक्षा 5वीं से 12वीं तक अध्ययनरत है। उनमें से कक्षा 5वीं के वे विद्यार्थी जो इस परीक्षा के माध्यम से जिला स्तर पर उच्च स्थान हासिल करते हैं, उनमें से कुल 30 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगामी सत्र में संस्थान द्वारा संचालित गुरुकुल में कक्षा 6 में प्रवेश देकर कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने तक RPSC व UPSC Foundation की तर्ज पर निःशुल्क शिक्षण प्रदान किया जाएगा। जो एक निर्धारित स्थान पर रहकर सम्बन्धित गुरुजनों से उच्च गुणवतापूर्ण शिक्षा हासिल कर सकेंगे।

इस योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6 से ही पाठ्यक्रम के साथ-साथ RPSC व UPSC की तैयारी करवायी जाएगी जिसमें NCERT BOOKS के गहन अध्ययन व समझ के साथ-साथ विषय को अलग-अलग प्रायोगिक तरीकों व उदाहरणों से उनकी तह तक जाकर गहराई से समझने, नए प्रश्न बनाने, प्रश्नों के उत्तर अपने ही अनुसार तैयार कर विश्लेषण करने, लिखावट में सुधार करने, शब्द भण्डार को बढाने, नए प्रयोग करने सहित सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनैतिक, एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर तर्क सहित मुल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इन विद्यार्थी को सामाजिक परिदृश्य के अनुसार व्याप्त नशा, सामाजिक कुरीतियां, बुरी संगत व मोबाईल फोन से मुक्ति मिलेगी। विद्यार्थियों में नई व उम्दा सोच का विकास होगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सफलता की मंजिल फतह करने का वर्षों पूराना सपना साकार होगा।अतः समस्त विद्यार्थी गुरुकुल में अपना स्थान कायम कर बेहतर भविष्य निर्माण के लिए अपने लग्न व परिश्रम का परिचय देवें।

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा

परीक्षा एवं टेस्ट सीरिज समय - सारणी

प्रथम टेस्ट	27.07.2024	सप्तम टेस्ट	30.11.2024
द्वितीय टेस्ट	17.08.2024	अष्टम् टेस्ट	11.01.2025
तृतीय टेस्ट	07.09.2024	प्रारम्भिक परीक्षा	12.01.2025
चतुर्थ टेस्ट	28.09.2024	नवम् टेस्ट	25.01.2025
पंचम टेस्ट	19.10.2024	दशम् टेस्ट	08.02.2025
छष्ठम् टेस्ट	09.11.2024	मुख्य परीक्षा	18 मई 2025

- ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा व टेस्ट सीरीज के आयोजन हेतु उपरोक्तानुसार समय - सारणी जारी कर दी गई है जिसका भली-भाँति अध्ययन कर निर्धारित समयानुसार तैयारी प्रारम्भ करें।
- टेस्ट सीरीज का आयोजन हर तीसरे शनिवार को विद्यालय स्तर पर न्यूनतम 50 विद्यार्थियों पर आयोजित किया जाता है तथा प्रारम्भिक परीक्षा का आयोजन दिसम्बर 2024 में न्यूनतम 200 विद्यार्थियो पर विद्यालय स्तर पर किया जाएगा। जबकि मुख्य परीक्षा का आयोजन मई 2025 में ब्लॉक स्तर पर किया जाएगा।

कक्षावार पाठ्यक्रम

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा व टेस्ट सीरीज पूर्णतः NCERT पाठ्यक्रम पर आधारित है। जिसके लिए कक्षावार प्रश्न-पत्र तैयार किए जाते है।

कक्षावार पाठ्यक्रम निम्नानुसार है -

क्र.स.	कक्षा	विषय
1.	5 वीं	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन
2.	6 वीं से 10 वीं	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सा. विज्ञान
3.	11 वीं व 12 वीं (कला वर्ग)	हिन्दी व अंग्रेजी (अनिवार्य), इतिहास, राजनीतिक विज्ञान ,भूगोल एवं हिन्दी साहित्य
4.	11 वीं व 12 वीं (विज्ञान वर्ग)	हिन्दी व अंग्रेजी (अनिवार्य), भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान एवं गणित

ध्यान दें-

1. कक्षा 6 से 10 तक तृतीय भाषा को शामिल नहीं किया गया है।
2. कक्षा 11 व 12 में कला वर्ग व विज्ञान वर्ग हेतु 120 MCQ के दो अलग-अलग प्रश्न-पत्र तैयार किए जाते है जिसमें से विद्यार्थी स्वयं की ऐच्छिक विषयों का ही चयन करें।

उदाहरणत : कला वर्ग के प्रश्न-पत्र में हिन्दी अनिवार्य, अंग्रेजी अनिवार्य, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान, भूगोल व हिन्दी साहित्य को मिलाकर प्रत्येक विषय के 20-20 MCQ मिलाकर 120 MCQ के प्रश्न-पत्र में से विद्यार्थी को स्वयं द्वारा चयनित केवल 5 विषयों के 100 MCQ के ही उत्तर देने हैं।

“काम करो ऐसा कि एक पहचान बन जाए,
हर कदम चलो ऐसा कि निशान जाए।
यहां जिन्दगी तो हर कोई काट ही लेता है,
मगर जियो इस कदर कि मिसाल बन जाए।।”

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा

टेस्टवार पाठ्यक्रम

टेस्ट सीरिज पाठ्यक्रम (कक्षा - 5)				
टेस्ट	हिन्दी	अंग्रेजी	पर्यावरण अध्ययन	गणित
1	• हम भारत के भरत • मेहनत की कमाई • अपनी वस्तु	• **We shall overcome** • **Let's learn Pranayam**	• रिश्तों की समझ • परिवारों का आना - जाना • कुछ खास हैं हम • मिल कर करें सफाई	• संख्याएँ • जोड़ - घटाव • गुणा - भाग
2	• त्योहारों का देश • अनोखी सूझ	• **The Rats and the Elephants**	• आओ, खेलें खेल • बीज बना पौधा • वृक्षों की महिमा	• वैदिक गणित • गुणज एवं गुणनखण्ड
3	• स्वस्थ तन, सुखी जीवन - केवल पढ़ने के लिए • बालक का स्वप्न	• **Adding Colours** • **The Dussehra Festival**	• जीव - जन्तुओं की निराली दुनिया • कहाँ - कहाँ से पानी • जल ऊपर से निकासी की ओर	• भिन्न की समझ • तुल्य भिन्न
4	• नया समाज बनाएँ • सदाचार	• **Who will play with me?**	• ज्ल में जीवन • गन्दा पानी, फैलाएँ रोग • पानी से खेलें	• पैटर्न • आँकड़ें
5	• नारी शक्ति की प्रतीक • नीति के दोहे	• **A Genie whom no one liked.**	• खाने से पचने तक • जब चाहें, तब खाएँ	• मुद्रा • समय
6	• मजेदार कबड्डी	• **The star**	• हमारे गौरव - III	• भार
7	• किताबें • स्वर्ण नगरी की सेर	• **Say no to tobacco** • **A talkative Tortoise**	• अपना जिला • तरह - तरह के घर • जब आई आपदा	• मापन (लम्बाई) • परिमाप एवं क्षेत्रफल
8	• पन्ना का त्याग (कहानी)	• **Chittorgarh : A glimpses of Glory**	• खेतों में खुशहाली • जीवन है अनमोल	• धारिता
9	• दृढ़ निश्चयी सरदार	• **Firefly in my room**	• कैसे बचाए ईंधन • हमारी विरासत	• ज्यामिति
10	• चुनाव प्रक्रिया - कब, क्या व कैसे	• **A gurubhakt girl : Kalibai** • **The choice is Yours**	• पहाड़ों की सैर • हमारी पृथ्वी व अंतरिक्ष	• मन गणित

टेस्ट सीरिज पाठ्यक्रम (कक्षा - 6)					
टेस्ट	हिन्दी	अंग्रेजी	सामाजिक अध्ययन	विज्ञान	गणित
1	• वह चिड़िया जो (कविता) • बचपन (संस्मरण)	• **Who did Patrick's Homework ?** • **A House, A Home** • **How the dog found himself new Master.** • **The Kite**	• विविधता की समझ • विविधता एवं भेदभाव • हमारा राजस्थान - राजस्थान : एक परिचय	• भोजन के घटक	• अपनी संख्याओं की जानकारी
2	• नादान दोस्त (तकनीकी) • चाँद से थोड़ी - सी गप्पें (कविता)	• **Taro's Reward** • **The Quarrel** • **An Indian – American Woman in Space : Kalpana Chawla** • **Beauty**	• सरकार क्या है • पंचायती राज • हमारा राजस्थान - राजस्थान का इतिहास	• वस्तुओं के समूह बनाना	• पूर्ण संख्याएँ
3	• साथी हाथ बढ़ाना (गीत) • ऐसे - ऐसे (एकांकी) • संज्ञा • सर्वनाम	• **Grammar – Article** • **Tenses** • **Framing Questions**	• हमारे अतीत - 1. प्रारम्भिक कथन - क्या, कब, कहाँ और कैसे 2. आखेट - खाद्य संग्रह से भोजन उत्पादन तक, • भूगोल - सौरमंडल में पृथ्वी • हमारा राजस्थान - इतिहास जानने के स्रोत	• पदार्थों का वर्गीकरण	• संख्याओं के साथ खेलना • आधारभूत ज्यामितीय अवधारणाएँ
4	• टिकट - अलबम (कहानी) • झांसी की रानी • विशेषण • क्रिया	• **A different kind of school (v) where do all the teachers.** • **Grammar : Relative Pronouns, Prepositions, Jumbled Words/Phrases**	• हमारे अतीत 1. आरंभिक नगर 2. क्या बताती है हमें किताबें और कब्रें • भूगोल - 1. ग्लोब - अक्षांश एवं देशान्तर • हमारा राजस्थान 1. राजस्थान के प्राचीन सभ्यता स्थल	• पौधों को जानिए	• प्रारम्भिक आकारों को समझना
5	• जो देखकर भी नहीं देखते • वाच्य • क्रिया - विशेषण	• **Active & Passive Voice** • **Adjective – their kinds and degrees** • **Grammer : Co – ordinates, Conjunctions**	• हमारे अतीत - 1. राज्य, राजा और एक प्राचीन गणराज्य 2. नए प्रश्न नए विचार • भूगोल - 1. पृथ्वी की गतियाँ	• शरीर में गति	• पूर्णांक

			• हमारा राजस्थान 1. आजादी से पूर्व सरकार का स्वरूप		
6	• संसार पुस्तक है • लिंग • कारक	• **Who I am ?** • **The wonderful words** • **Grammar : Imperative Sentences, Modals**	• हमारे अतीत 1. राज्य से साम्राज्य • हमारा राजस्थान 1. राजस्थान का भौतिक स्वरूप	• सजीव - विशेषताएँ एवं आवास	• भिन्न
7	• मैं सबसे छोटी होऊ • अव्यय • विलोम शब्द	• **Grammar – Adverb of place,** • **Time and Manner** • **Phrasal Verbs**	• हमारे अतीत - 1. गाँव, शहर और व्यापार • भूगोल 1. मानचित्र • हमारा राजस्थान - 1. जल संसाधन एवं संरक्षण	• गति एवं दूरियों का मापन • प्रकाश - छायाएँ एवं परिवर्तन	• दशमलव • आँकड़ों का प्रबंधन
8	• लोकगीत • पर्यायवाची शब्द • एकल शब्द • संधि • समास	• **Fair Play (vii)** • **Vocation** • **Grammar – Sound, Opposites, Homophones**	• हमारे अतीत - 1. नए साम्राज्य और राज्य 2. नगर प्रशासन • भूगोल - 1. पृथ्वी के प्रमुख परिमण्डल • हमारा राजस्थान - 1. आजीविका के प्रमुख क्षेत्र	• विद्युत तथा परिपथ	• क्षेत्रमिति
9	• नौकर • उपसर्ग • प्रत्यय • तत्सम शब्द • युग्म शब्द	• **Grammar : One Word substitution, Word formation, Number**	• हमारे अतीत - 1. ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका • भूगोल - 1. हमारा देश - भारत • हमारा राजस्थान - 1. राजस्थान में आधारभूत सेवाएँ	• चुम्बकों द्वारा मनोरंजन	• बीजगणित
10	• वन के मार्ग में • शुद्ध शब्द एवं शुद्ध वाक्य • विराम चिन्ह • वाक्य परिचय	• **The Banyan Tree** • **Grammar : Gender, Words in Situation or Suitable words, Prefix**	• हमारे अतीत - 1. इमारतें, चित्र तथा किताबें, 2. शहरी क्षेत्र में आजीविका • हमारा राजस्थान - 1. लोक संस्कृति एव कला	• हमारे चारों ओर वायु	• अनुपात और समानुपात

टेस्ट सीरिज पाठ्यक्रम (कक्षा - 7)					
टेस्ट	हिन्दी	अंग्रेजी	सामाजिक अध्ययन	विज्ञान	गणित
1	• हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता) • हिमालय की बेटियाँ निबन्ध) • कठपुतली	• **Three Questions 1 (1) The Squirrel** • **A gift of Chappals 2(i)** • **The Rebel**	• समानता • स्वास्थ्य में सरकार की भूमिका • हमारा राजस्थान - 1. वन, वन्य जीव एवं संरक्षण	• पादपों में पोषण	• पूर्णांक • भिन्न एवं दशमलव
2	• मिठाईवाला (कहानी) • पापा खो गए (नाटक) • शाम - एक किसान (कविता)	• **Gopal and the Hilsa – Fish 3(i)** • **The Shed** • **The Ashes that made trees Bloom 4(i)** • **Chivvy**	• राज्य शासन कैसे काम करता है। • लड़के और लड़कियों के रूप में बड़े होना • हमारा राजस्थान 1. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	• प्राणियों में पोषण	• आँकड़ों का प्रबन्धन
3	• अपूर्व अनुभव (संस्मरण) • संज्ञा • सर्वनाम • विशेषण	• **Grammar – Articles** • **Adjectives (Degrees of Comparison)** • **Adverbs of Manner**	• हमारे अतीत - 1. प्रारम्भिक कथन : हजार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तनों की पड़ताल 2. राजा और उनके राज्य • भूगोल - पर्यावरण • हमारा राजस्थान 1. कृषि और सिंचाई	• ऊष्मा • अम्ल, क्षारक और लवण	• सरल समीकरण
4	• रहीम के दोहे (कविता) • एक तिनका (कविता) • क्रिया • वचन • कारक	• **Grammar :** • **Preposition** • **Tenses**	• हमारे अतीत 1. दिल्ली : 12वीं से 15वीं शताब्दी 2. मुगल : 16वीं से 17वीं शताब्दी • भूगोल - 1. हमारी पृथ्वी के अंदर • हमारा राजस्थान 1. राजस्थान में कृषि विपणन	• भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन	• रेखा एवं कोण • त्रिभुज और उसके गुण
5	• खान - पान की बदलती तस्वीर (निबन्ध) • लिंग • सन्धि • समास	• **"IF" for open condition** • **Grammar : Framing Questions**	• हमारे अतीत - 1. औरतों ने बदली दुनिया • भूगोल - 1. हमारी बदलती पृथ्वी • हमारा राजस्थान 1. राजस्थान में व्यापार	• जीवों में श्वसन	• राशियों की तुलना

6	• नीलकण्ठ (रेखाचित्र) • उपसर्ग • प्रत्यय	• Quality – 5(i) Trees • Grammar : Indirect Speech/Reported Speech	• हमारे अतीत 1. जनजातियाँ खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय • भूगोल 1. वायु	• जंतुओं और पादप में परिवहन	• परिमेय संख्याएँ
7	• भोर और बरखा (कविता) • विलोम शब्द • पर्यायवाची शब्द	• Grammar : Phrasal Verbs • Sound • Missing Letter • Opposites/ Antonyms	• संचार माध्यमों को समझना • हमारे अतीत - 1. ईश्वर से अनुराग • भूगोल 1. जल • हमारा राजस्थान - 1. राजस्थान के प्रमुख शासक	• पादप में जनन • गति एवं समय	• परिमाप और क्षेत्रफल • बीजीय व्यंजक
8	• वीर कुँवरसिंह (जीवनी) • तत्सम शब्द • अशुद्धि	• Expert Detectives(i) • Mystery of the Talking Fan • Grammar : Homophones, Number, Gender	• हमारे अतीत - 1. हमारे आसपास के बाजार • भूगोल - 1. मानव -पर्यावरण अन्योन्य क्रिया : उष्णकटिबंधीय एवं उपोषण प्रदेश • हमारा राजस्थान - 1. आजादी का आंदोलन और राजस्थान	• विद्युत धारा और इसके प्रभाव	• घातांक और घात
9	• संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिजाज हो गया : धनराज (साक्षात्कार) • मुहावरे • लोकोक्तियाँ/कहावतें • शब्द - समूह के लिए एकल शब्द	• The invention of Vita – Wonk (i) Dad and the Cat and the Tree (ii) Garden Snake • Grammar : Suitable Words, One Word	• हमारे अतीत - 1. क्षेत्रीय संस्कृति का निर्माण • भूगोल - 1. रेगिस्तान में जीवन • हमारा राजस्थान - 1. आजादी से पूर्व राजस्थान में सामाजिक - शैक्षणिक सुधार	• वन : हमारी जीवन रेखा	• सममिति
10	• आश्रम का अनुमानित व्यय (लेखा - जोखा) • पुनरूक्त शब्द • अनेकार्थक शब्द • विराम चिह्न	• A Homage to our brave soldiers 8(i) Meadow surprises • Grammar : Prefix and Suffix, Odd – One Out	• हमारे अतीत - 1. 18 वीं सदी में नए राजनीतिक गठन 2. बाजार में एक कमीज • हमारा राजस्थान - 1. संविधान निर्माण में राजस्थान का योगदान	• अपशिष्ट जल की कहानी	• ठोस आकारों का चित्रण

टेस्ट सीरिज पाठ्यक्रम (कक्षा - 8)					
टेस्ट	हिन्दी	अंग्रेजी	सामाजिक अध्ययन	विज्ञान	गणित
1	• लाख की चूड़ियाँ (कहानी) • बस की यात्रा (व्यंग्य)	• **The Best Christmas present in the World, Poem No. 1(i)** • **The Ant and the Cricket**	• भारतीय संविधान • धर्मनिरपेक्षता की समझ • हमारा राजस्थान - 1. 18वीं सदी का राजस्थान	• फसल उत्पादन एवं प्रबन्ध	• परिमेय संख्याएँ
2	• दीवानों की हस्ती (कविता) • भगवान के डाकिए (कविता)	• **The Tsunami Poem No. 2(ii)** • **Geography Lesson**	• संसद तथा कानूनों का निर्माण • न्यायपालिका • हमारा राजस्थान 1. 1857 का स्वतंत्रता संग्राम	• सूक्ष्मजीव - मित्र एवं शत्रु	• एक चर वाले रैखिक समीकरण
3	• क्या निराश हुआ जाए (निबन्ध) • व्याकरण - 1. संज्ञा 2. सर्वनाम	• **Glimpses of the Past** • **Grammar : Pronoun** • **Adjective** • **Degrees of Comparison** • **Adverb**	• हमारे अतीत - 1. प्रारम्भिक कथन : कैसे, कब और कहाँ • भूगोल - संसाधन • हमारा राजस्थान 1. आधुनिक राजस्थान का निर्माण	• कोयला और पेट्रोलियम • दहन और ज्वाला	• चतुर्भुजों को समझना • आँकड़ों का प्रबन्धन
4	• यह सबसे कठिन समय नहीं (कविता) • कबीर की साखियाँ • क्रिया • विशेषण	• **Word Order in a Sentence** • **Grammar :** • **Preposition** • **Tenses (Correct form of the verb)**	• हमारे अतीत 1. व्यापार में साम्राज्य तक कम्पनी की सत्ता स्थापित होती है। • भूगोल - 1. भूमि, प्राकृतिक वनस्पति, मृदा, जल और वन्य जीवन संसाधन • हमारा राजस्थान 1. जनसंख्या	• पौधे एवं जन्तुओं का संरक्षण • जन्तुओं में जनन	• वर्ग और वर्गमूल • घन और घनमूल
5	• सुदामा चरित (कविता) • व्याकरण - विलोम शब्द	• **Bepin Choudhary's Lapse of Memory Poem No. 3(iii), The Last Bargain** • **Grammar : Determiners, Modal Auxiliaries, Usages of has to/have to/had to** • **Framing Questions**	• हमारे अतीत - 1. ग्रामीण क्षेत्र पर शासन चलाना • भूगोल - 1. कृषि • हमारा राजस्थान 1. उद्योग	• किशोरावस्था की ओर	• राशियों की तुलना
6	• जहाँ पहिया है (रिपोर्ताज)	• **The Summit within, Poem No. 4(iv) The School Boy**	• हमारे अतीत 1. आदिवासी दिकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना	• बल तथा दाब	• बीजीय व्यंजक एवं सर्वसमिकाएँ

	• व्याकरण - पर्यायवाची शब्द	• Grammar : Passive Voice	• भूगोल - 1. उद्योग • हमारा राजस्थान - 1. परिवहन एवं पर्यटन		
7	• अकबरी लोटा (कहानी) • व्याकरण - वाक्य रचना, वचन	• Grammar : Reported Speech • Punctuation Marks • Capital Letters • Number	• हमारे अतीत - 1. जब जनता बगावत करती है 1857 और उसके बाद • भूगोल 1. मानव संसाधन • हमारा राजस्थान - 1. विकास योजनाएँ	• घर्षण • ध्वनि	• क्षेत्रमिति
8	• सूरदास के पद (कविता) • व्याकरण - उपसर्ग	• This is Jody's Fawn • Grammar : Gender, Opposition, Word Formation	• हाशियाकरण से निपटना • हमारे अतीत - 1. देशी जनता को सभी बनाना राष्ट्र को शिक्षित करना। • हमारा राजस्थान - 1. जन - जागरण एवं सामाजिक सुधार हेतु राजकीय प्रयास	• विद्युत धारा के रासायनिक प्रभाव	• घातांक और घात
9	• पानी की कहानी (निबन्ध) • व्याकरण -प्रत्यय	• A Visit to Cambridge • Grammar ; One Word Substitution • Choose the correct word, Sound, Word Meaning	• जनसुविधायें • हमारे अतीत - 1. महिलायें, जाति एवं सुधार • हमारा राजस्थान - 1. ग्रामीण एवं शहरी प्रशासन	• कुछ प्राकृतिक परिघटनाएँ	• सीधा और प्रतिलोम समानुपात
10	• बाज और साँप (कहानी) • व्याकरण - मुहावरे	• A short Monsoon Diary – Poem No. 5(v) on the Grasshopper and Cricket • Grammar : Correct spelling, Synonym, Dissimilar/odd words • Missing Letters	• कानून और सामाजिक न्याय • हमारे अतीत - 1. राष्ट्रीय आन्दोलन का संगठन : 1870 के दशक से 1947 तक • हमारा राजस्थान - 1. राजस्थान में कला एवं संस्कृति	• प्रकाश	• गुणनखण्डन • आलेखों से परिचय

टेस्ट सीरिज पाठ्यक्रम (कक्षा - 9)					
टेस्ट	हिन्दी	अंग्रेजी	सामाजिक अध्ययन	विज्ञान	गणित
1	• गद्य खंड - दो बैलों की कथा	• **Prose : 1. The Fun They Had**	• राजनीति - 1. लोकतंत्र क्या ? लोकतंत्र क्यों ? 2. संविधान निर्माण :	• हमारे आस - पास के पदार्थ	• संख्या पद्धति
2	• गद्य खंड - 1. ल्हासा की ओर 2. उपभोक्तावाद की संस्कृति	• **Prose :** **1. The Sound of Music** **2. Evelyn Glennie** **3. Bismillah Khan**	• राजनीति - 1. चुनावी राजनीति 2. संस्थाओं का कामकाज	• क्या हमारे आस - पास के पदार्थ शुद्ध हैं	• बहुपद
3	• काव्य खंड - 1. कबीर (साखियाँ एवं सवद) 2. ललद्यद (वाख)	• **Prose : The Little Giral** • **Poetry : The Read Not Taken** • **Moments : The Lost Child** • **Grammar : Tenses**	• इतिहास - 1. फ्रांसीसी क्रान्ति • भूगोल 1. भारत - आकार और स्थिति	• परमाणु एवं अणु • परमाणु की संरचना	• दो चरों वाले रैखिक समीकरण • निर्देशांक ज्यामिति
4	• काव्य खंड - रसखान (कवैये) • व्याकरण - विशेषण (लिंग और वचन का विशेषण पर प्रभाव)	• **Prose : A Truly Beautiful Mind** • **Poetry : Wind** • **Moments : The Adventures of Toto**	• भूगोल - 1. भारत का भौतिक स्वरूप • अर्थशास्त्र - 1. पालमपुर की कहानी	• जीवन की मौलिक इकाई • ऊतक	• यूक्लिड की ज्यामिति का परिचय • रेखाएँ और कोण
5	• काव्य खंड - माखनलाल चतुर्वेदी (कैदी और कोकिला) • व्याकरण - परसर्ग या कारक 'ने' का क्रिया पर प्रभाव	• **Prose : The Snake and the Mirror** • **Poetry : Rain on the Roof** • **Moments : Iswaran the storyteller**	• इतिहास - 1. यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रान्ति • भूगोल - 1. अपवाह	• गति	• त्रिभुज
6	• काव्य खंड - सुमित्रानंदन पंत (ग्राम - श्री)	• **Prose : My Childhood** • **Poetry : The Lake of Innisfree** • **Moments : In the Kingdom of Fools**	• अर्थशास्त्र 1. संसाधन के रूप में लोग	• बल तथा गति के नियम	• चतुर्भुज

7	• गद्य खंड - साँवले सपनों की याद • कृतिका - इस जल प्रलय में • व्याकरण - वाक्य रचना (सरल और संयुक्त वाक्य)	• **Prose : Reach for the Top (I) Santosh Yadav (II) Maria Sharapova** • **Poetry : A Legend of the Northland** • **Moments : The Happy Prince, Weathering the Storm in Ersama** • **Grammar : Relative Pronouns**	• इतिहास - 1. नात्सीवाद और हिटलर का उदय • भूगोल 1. जलवायु • अर्थशास्त्र - 1. निर्धनता - एक चुनौती	• गुरुत्वाकर्षण	• वृत्त
8	• गद्य खंड - प्रेमचन्द के फटे जूते • कृतिका - मेरे संग की औरतें • व्याकरण - पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द	• **Prose : Kathmandu** • **Poetry : No Men are Foreign** • **Moments : The Last Leaf** • **Grammar : Determiners**	• इतिहास - 1. वन्य समाज और उपनिवेशवाद • भूगोल - 1. प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी	• कार्य तथा ऊर्जा	• हीरोन का सूत्र
9	• काव्य खंड - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मेघ आए), राजेश जोशी (बच्चे काम पर जा रहे हैं) • व्याकरण - श्रुति समभिन्नार्थक शब्द	• **Poetry : On Killing a Tree** • **Moments : A House is not a Home**	• इतिहास - 1. आधुनिक विश्व में चरवाहे • राजनीति - 1. लोकतान्त्रिक अधिकार	• ध्वनि	• पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन
10	• गद्य खंड - मेरे बचपन के दिन • कृतिका - रीढ़ की हड्डी	• **Prose : If I were you.** • **Poetry : A Slumber did My Spirit Scal** • **Moments : The Beggar** • **Grammar : Preposition**	• भूगोल - 1. जनसंख्या • अर्थशास्त्र - 1. भारत में खाद्य सुरक्षा	• खाद्य संसाधनों में सुधार	• सांख्यिकी

टेस्ट सीरिज पाठ्यक्रम (कक्षा - 10)					
टेस्ट	हिन्दी	अंग्रेजी	सामाजिक अध्ययन	विज्ञान	गणित
1	• सूरदास • तुलसीदास	• A Letter to God • Nelson Mondela : Long walk to Freedom	• यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय • भारत में राष्ट्रवाद	• रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण • अम्ल, क्षारक एवं लवण	• वास्तविक संख्याएँ
2	• जयशंकर प्रसाद • सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	• Two Stories about Flying • His first flight • Black Aeroplane	• भूमंडलीकृत विश्व का बनना • औद्योगीकरण का युग	• धातु एवं अधातु	• बहुपद
3	• स्वयं प्रकाश • रामवृक्ष बेनपुरी	• A triumph of Surgery • Grammar : Tenses	• विकास • सत्ता की साझेदारी	• कार्बन और उसके यौगिक	• दो चरों वाले रैखिक समीकरण • द्विघात समीकरण
4	• यशपाल • मनु भण्डारी	• From the Diary of Anne Frank • The Thief Story	• भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक • संघवाद • संसाधन एवं विकास	• जैव प्रक्रम	• समांतर श्रेढ़ी
5	• नागार्जुन • माता का आँचल	• The Midnight Visitor • Grammar : Reported Speech	• वन एवं वन्य जीव संसाधन • जाति, धर्म और लैंगिक मसले	• नियंत्रण एवं समन्वय	• त्रिभुज
6	• मंगलेश डबराल • यतीन्द्र मिश्र	• A Question of Trust	• मुद्रा और साख • जल संसाधन	• जीव जनन कैसे करते हैं ? • आनुवांशिकता	• निर्देशांक ज्यामिति
7	• भदंत आनंद कौसल्यायन • साना साना हाथ जोड़ी	• Footprint without Feet • Grammar : Subject – Verb Agreement	• वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था • राजनीतिक दल • कृषि	• प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन	• त्रिकोणमिति का परिचय • त्रिकोणमिति के कुछ अनुप्रयोग
8	• मैं क्यूँ लिखता हूँ ? • व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया व अव्यय	• The Making of a Scientist • Grammar : Active and Passive Voice	• उपभोक्ता अधिकार • खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	• मानव नेत्र तथा रंग - बिरंगा संसार	• वृत्त • वृत्तों से संबंधित क्षेत्रफल
9	• व्याकरण - उपसर्ग एवं प्रत्यय, संधि	• The Necklace	• लोकतंत्र के परिणाम • विनिर्माण उद्योग	• विद्युत	• पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन
10	• व्याकरण - समास, मुहावरे और लोकोक्तियाँ	• Bholi • The Book that saved the Earth	• मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया • राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	• विद्युत धारा के चुंबकीय प्रभाव • हमारा पर्यावरण	• सांख्यिकी • प्रायिकता

टेस्ट सीरिज पाठ्यक्रम (कक्षा - 11 एवं कक्षा 12) - कला एवं विज्ञान वर्ग

टेस्ट क्र.	विषय	कक्षा - 11	कक्षा - 12
1	अनिवार्य हिन्दी	• गद्य खण्ड - 1. नमक का दरोगा 2. मियां नसीरूद्दीन	• काव्य खण्ड - 1. हरिवंशराय बच्चन 2. आलोक धन्वा
	अनिवार्य अंग्रेजी	• The Portrait of a Lady • A photograph	• The Last Lesson • Lost Spring
	इतिहास	• लेखन कला और शहरी जीवन	• ईंटे, मनके तथा अस्थियाँ • राजा, किसान और नगर
	भूगोल	• भूगोल एक विषय के रूप में • पृथ्वी	• मानव भूगोल, प्रकृति एवं विषय क्षेत्र • विश्व जनसंख्या, वितरण घनत्व और वृद्धि
	राजनीति विज्ञान	• संविधान : क्यों और कैसे ?	• दो ध्रुवीयता
	हिन्दी साहित्य	• ईदगाह • दोपहर का भोजन	• जयशंकर प्रसाद • सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
	भौतिक विज्ञान	• मात्रक एवं मापन	• वैद्युत आवेश तथा क्षेत्र • स्थिर वैद्युत विभव तथा धारिता
	रसायन विज्ञान	• रसायन विज्ञान की कुछ मूलभूत अवधारणाएँ	• विलयन
	जीव विज्ञान	• जीव जगत	• पुष्पी पादपों में लैंगिक प्रजनन
	गणित	• समुच्चय	• संबंध एवं फलन
2	अनिवार्य हिन्दी	• गद्य खण्ड - 3. अप्पू के ढ़ाई साल 4. विदाई सम्भाषण	• काव्य खण्ड - 1. कुँवर नारायण 2. रघुवीर सहाय
	अनिवार्य अंग्रेजी	• We are not afraid to die...If we can all be together.	• Deep Water • The Rattrap
	इतिहास	• तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य	• बंधुत्व, जाति और वर्ग • विचारक, विश्वास और इमारतें
	भूगोल	• भू - आकृतियाँ • जलवायु	• मानव विकास • प्राथमिक क्रियाएँ
	राजनीति विज्ञान	• भारतीय संविधान में अधिकार • चुनाव और प्रतिनिधित्व	• सत्ता के समकालीन केन्द्र • समकालीन दक्षिण एशिया
	हिन्दी साहित्य	• टार्च बेचने वाला • गूंगे	• सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' • केदारनाथ सिंह

		• ज्योतिबा फूले	• रघुवीर सहाय
	भौतिक विज्ञान	• सरल रेखा में गति • समतल में गति	• विद्युत धारा • गतिमान आवेश और चुम्बकत्व
	रसायन विज्ञान	• परमाणु की संरचना	• वैद्युत रसायन
	जीव विज्ञान	• जीव जगत का वर्गीकरण • वनस्पति जगत	• मानव जनन • जनन स्वास्थ्य
	गणित	• संबंध एवं फलन • त्रिकोणमितीय फलन	• प्रतिलोम त्रिकोणमितीय फलन
3	अनिवार्य हिन्दी	• काव्य खण्ड - 1. कबीर 2. मीरा 3. भवानी प्रसाद मिश्र	• गद्य खण्ड - महादेवी वर्मा • काव्य खण्ड - शमशेर बहादुर सिंह
	अनिवार्य अंग्रेजी	• Discovering Tut : The Saga continues • The Laburnum Top • The Voice of the Rain	• Indigo • Poets and Pancakes
	इतिहास	• यायावर साम्राज्य	• यात्रियों के नजरिए
	भूगोल	• मानचित्र परिचय • मानचित्र मापनी	• आँकड़े - स्रोत और संकलन • आँकड़ों का प्रक्रमण
	राजनीति विज्ञान	• राजनीतिक सिद्धांत - एक परिचय • स्वतंत्रता	• अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
	हिन्दी साहित्य	• कबीर • सूरदास	• तुलसीदास • मलिक मुहम्मद जायसी
	भौतिक विज्ञान	• गति के नियम	• चुम्बकत्व एवं द्रव्य
	रसायन विज्ञान	• तत्वों का वर्गीकरण एवं गुणधर्मों में आवर्तिता	• रासायनिक बलगतिकी
	जीव विज्ञान	• प्राणी जगत • पुष्पी पादपों की आकारिकी	• वंशागति तथा विविधता के सिद्धांत • वंशागति के आण्विक आधार
	गणित	• सम्मिश्र संख्याएँ • द्विघातीय समीकरण	• आव्यूह • सारणिक
4	अनिवार्य हिन्दी	• वितान - 1. भारतीय नागरिकों में बेजोड़ : लता मंगेशकर	• गद्य खण्ड - 1. जेनेन्द्र कुमार 2. धर्मवीर भारती

		2. राजस्थान की रजत बूँदें	
	अनिवार्य अंग्रेजी	• **The Ailing Planet : the Green Movements Role** • **Childhood**	• **The Interview** • **Going Places**
	इतिहास	• तीन वर्ग	• भक्ति सूफी परम्परा
	भूगोल	• भारत - स्थिति • संरचना तथा भूआकृति विज्ञान	• जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संगठन • मानव बस्तियाँ
	राजनीति विज्ञान	• समानता • सामाजिक न्याय	• राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ • एक दल के प्रभाव का दौर
	हिन्दी साहित्य	• खानाबदोश • देव	• विद्यापति • घनानन्द
	भौतिक विज्ञान	• कार्य, ऊर्जा और शक्ति	• वैद्युत चुम्बकीय प्रेरण
	रसायन विज्ञान	• रासायनिक आबंधन तथा आण्विक संरचना	• d एवं f ब्लॉक के तत्व
	जीव विज्ञान	• पुष्पी पादपों का शरीर • प्राणियों में संरचनात्मक संगठन	• विकास
	गणित	• रेखिक असमिकायें	• सांतत्य तथा अवकलनीयता
5	अनिवार्य हिन्दी	• गद्य खंड - 1. गलता लोहा 2. रजनी	• वितान - 1. सिल्वर वैडिंग 2. जूझ
	अनिवार्य अंग्रेजी	• **The Summer of the beautiful White House**	• **My Mothers at Sixty Six** • **Keeping Water**
	इतिहास	• बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ	• उपनिवेशवाद और देहांत
	भूगोल	• अपवाह तंत्र • जलवायु	• भूसंसाधन तथा कृषि • जल - संसाधन
	राजनीति विज्ञान	• अधिकार • नागरिकता	• नियोजित विकास की राजनीति • भारत के विदेश संबंध
	हिन्दी साहित्य	• उसकी माँ • सुमित्रानन्दन पंत	• रामचन्द्र शुक्ल • पंडित चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
	भौतिक विज्ञान	• कणों के निकाय तथा घूर्णी गति	• प्रत्यावर्ती धारा
	रसायन विज्ञान	• साम्यावस्था	• उपसहसंयोजक यौगिक
	जीव विज्ञान	• कोशिका : जीवन की इकाई • जैव अणु	• मानव स्वास्थ्य तथा रोग

	गणित	• क्रमचय एवं संचय • द्विपद प्रमेय	• अवकलज के अनुप्रयोग
6	अनिवार्य हिन्दी	• वितान - आलो - आंधारी	• काव्य खण्ड - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
	अनिवार्य अंग्रेजी	• **The Address**	• **Thing of Beauty** • **A Roadside Stand**
	इतिहास	• मूल निवासियों का विस्थापन	• विद्रोही और राज
	भूगोल	• प्राकृतिक वनस्पति	• खनिज तथा ऊर्जा संसाधन • भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास
	राजनीति विज्ञान	• कार्यपालिका	• समकालीन विश्व में सुरक्षा
	हिन्दी साहित्य	• भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ?	• फणीश्वर नाथ रेणु
	भौतिक विज्ञान	• गुरुत्वाकर्षण	• वैद्युत चुम्बकीय तरंगें
	रसायन विज्ञान	• अपचयोपचय अभिक्रियाएँ	• हेलो ऐल्केन तथा हेलो एरिन
	जीव विज्ञान	• कोशिका चक्र और कोशिका विभाजन	• मानव कल्याण में सूक्ष्मजीव
	गणित	• अनुक्रम तथा श्रेणी	• समाकलन
7	अनिवार्य हिन्दी	• काव्य खंड - 1. त्रिलोचन 2. दुष्यंत कुमार	• काव्यखण्ड - 1. तुलसीदास 2. फिराक गोरखपुरी
	अनिवार्य अंग्रेजी	• **The Adventure** • **Silk Road** • **Father to Son**	• **Aunt Jennifers Tigers**
	इतिहास	• आधुनिकरण के रास्ते	• एक साम्राज्य की राजधानी - विजयनगर
	भूगोल	• अक्षांश, देशान्तर और समय • मानचित्र प्रक्षेप	• द्वितीयक क्रियाएँ • तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप
	राजनीति विज्ञान	• विधायिका • न्यायपालिका	• पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन • वैश्वीकरण
	हिन्दी साहित्य	• महादेवी वर्मा • हुसैन की कहानी अपनी जुबानी	• भीष्म साहनी • असगर वजाहत
	भौतिक विज्ञान	• ठोसों के यांत्रिक गुण • तरलों के यांत्रिक गुण • द्रव के तापीय गुण	• किरण प्रकाशिकी • प्रकाशिक यंत्र
	रसायन विज्ञान	• कार्बनिक रसायन - कुछ आधारभूत सिद्धांत तथा तकनीकें	• एल्कोहॉल, फिनॉल एवं ईथर

	जीव विज्ञान	• उच्च पादपों में प्रकाश - संश्लेषण • पादप में श्वसन • पादप वृद्धि एवं हार्मोन	• जैव प्रौद्योगिकी - सिद्धांत व परक्रम • जैव प्रौद्योगिकी एवं उसके उपयोग
	गणित	• सरल रेखाएँ • शंकु परिच्छेद	• समाकलनों के अनुप्रयोग • अवकल समीकरण
8	अनिवार्य हिन्दी	• गद्य खंड - 1. जामुन का पेड़ 2. भारत माता	• गद्य खंड 1. फणीश्वर नाथ रेणु 2. उमा शंकर जोशी
	अनिवार्य अंग्रेजी	• Mothers Day	• The third level • The Tiger King
	इतिहास	• लेखन कला और शहरी जीवन • तीन महाद्वीपों पर फैला साम्राज्य	• किसान, जमींदार और राज्य
	भूगोल	• स्थलकृतिक मानचित्र • सुदूर संवेदन का परिचय	• परिवहन एवं संचार • अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
	राजनीति विज्ञान	• संघवाद • स्थानीय शासन	• कांग्रेस प्रणाली - चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना • लोकतान्त्रिक व्यवस्था का संकट
	हिन्दी साहित्य	• नागार्जुन • आवारा मसीहा	• निर्मल वर्मा • ममता कालिया
	भौतिक विज्ञान	• उष्मागतिकी	• तरंग प्रकाशिकी
	रसायन विज्ञान	• उष्मागतिकी	• एल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल
	जीव विज्ञान	• श्वसन और गैसों का विनिमय • शरीर, द्रव तथा परिसंचरण	• जीव और समष्टियाँ
	गणित	• त्रिविम ज्यामिति का परिचय	• सदिश बीजगणित
9	अनिवार्य हिन्दी	• काव्य खंड - 1. अक्क महादेवी 2. अवतार सिंह पाश	• गद्य खण्ड - हजारी प्रसाद द्विवेदी
	अनिवार्य अंग्रेजी	• Birth	• Journey to the end of the Earth • The Enemy
	इतिहास	• यायावर साम्राज्य • तीन वर्ग	• महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन
	भूगोल	• जल (महासागर)	• आंकड़ों का आलेखी निरूपण • स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी

	राजनीति विज्ञान	• राष्ट्रवाद • धर्मनिरपेक्ष	• क्षेत्रीय आकांक्षाएँ
	हिन्दी साहित्य	• श्रीकांत वर्मा	• हजारी प्रसाद द्विवेदी • सूरदास की झोपड़ी
	भौतिक विज्ञान	• अणुगति सिद्धांत	• विकिरण तथा द्रव्य की द्वैत प्रकृति • परमाणु
	रसायन विज्ञान	• हाइड्रोकार्बन	• एमीन
	जीव विज्ञान	• उत्सर्जी उत्पाद एवं उनका निष्कासन • गमन एवं संचालन	• पारितंत्र
	गणित	• सीमा और अवकलज	• त्रिविमीय ज्यामिति
10	अनिवार्य हिन्दी	• काव्य खंड - 1. निर्मला पुतुल	• गद्य खण्ड - 1. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर 2. अतीत में दबे पाँव
	अनिवार्य अंग्रेजी	• The Tale of Melon City	• On the face of it • Memories of Childhood
	इतिहास	• बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ • आधुनिकरण के रास्ते	• संविधान का निर्माण
	भूगोल	• प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ • जैव विविधता एवं संरक्षण	• परिवहन तथा संचार • अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार • भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ
	राजनीति विज्ञान	• संविधान - एक जीवंत दस्तावेज • संविधान का राजनीतिक दर्शन	• भारतीय राजनीति : नए बदलाव
	हिन्दी साहित्य	• धूमिल	• बिस्कोहार की माटी • अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता में
	भौतिक विज्ञान	• दोलन • तरल	• नाभिक • अर्द्धचालक पदार्थ, युक्तियाँ तथा सरल परिपथ
	रसायन विज्ञान	• पाठ संख्या 1 से 6 का पाठ्यक्रम	• जैव अणु
	जीव विज्ञान	• तंत्रिकीय नियंत्रक एवं समन्वय • रासायनिक समन्वय तथा एकीकरण	• जैव विविधता एवं संरक्षण
	गणित	• सांख्यिकी • प्रायिकता	• रैखिकी प्रोग्रामन • प्रायिकता

: आवश्यक दिशा - निर्देश :

दुनिया में हर सफलता के पीछे एक नियम होता है ठीक उसी तरह ग्रामीण प्रतिमा खोज परीक्षा के आयोजन को सफल बनाने के लिए कुछ नियम निम्नलिखित हैं।

1. परीक्षार्थी को निर्धारित समय सीमा का पालन करते हुए परीक्षा प्रारंभ होने से आधा घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होना अनिवार्य है।
2. परीक्षा प्रारम्भ होने के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।
3. परीक्षार्थी को अपने प्रवेश पत्र के साथ कोई फोटो मुक्त पहचान पत्र या दस्तावेज (जैसे- आधारकार्ड, मार्कशीट, स्कूल आई कार्ड) साथ में लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की सामग्री यथा, चिट्ठे, स्मार्ट उपकरण, मोबाईल, टेबलेट, कैलकुलेटर व धारदार हथियार आदि रखना वर्जित है तथा ऐसी सामग्री पाये जाने पर सम्बन्धित परीक्षार्थी को परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा सम्पन्न होने से पूर्व परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी तथा परीक्षा में अशांति या व्यवधान उत्पन्न करने पर सम्बन्धित परीक्षार्थी को परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा।
6. किभी भी परीक्षार्थी के पास नकल से संबंधित सामग्री पाये जाने, संसाधनों का दुरुपयोग करने पर उसे परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा।
7. सम्पूर्ण केन्द्र पर परीक्षा से संबंधित गड़बड़ियाँ पाए जाने पर उस परीक्षा केन्द्र को रद्द कर दिया जाएगा।
8. परीक्षा के दौरान शांति-व्यवस्था बनाये रखने में वीक्षकों का सहयोग करना होगा।
9. परीक्षा की सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान संस्था के समस्त निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा।
10. कक्षा 5 वीं से 12वीं तक प्रत्येक परीक्षार्थी को अपने पाठ्यक्रम पर आधारित कुल 100-100 सवालों के जवाब देने होंगे।

11. प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक निर्धारित है अतः कुल पूर्णांक 100 अंक है।
12. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/4 या 0.25 अंक काटे जाएंगे।
13. परीक्षा का समय 2½ घंटे रखा गया है। जिसमें से 30 मिनट Reporting, Checking व Sitting व्यवस्था के लिए तथा शेष 2 घण्टे प्रश्न-पत्र हल करने के लिए निर्धारित है।
14. किसी भी परीक्षार्थी को अतिरिक्त समय या विशेष सुविधाएँ नहीं दी जाएगी।
15. यह परीक्षा समस्त परीक्षा केन्द्रों पर एक ही समय अवधि के दौरान आयोजित होगी। इसलिए किसी भी परीक्षा केन्द्र या परीक्षार्थी को अलग से अवसर नहीं दिया जाएगा।
16. परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए संस्थान द्वारा स्वयं की टीम, अधिकारी, कैमरामैन या CCTV कैमरों की व्यवस्था की जा सकती है।
17. यह परीक्षा NCERT पाठ्यक्रम पर आधारित होगी जिसमें किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जाएगा।
18. परीक्षार्थी को अर्धवार्षिक तक के NCERT पाठ्यक्रम में से प्रारम्भिक परीक्षा व सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से मुख्य परीक्षा के प्रश्न-पत्र हल करने होंगे।
19. परीक्षा के आवेदन पत्र, प्रवेश-पत्र, उत्तर कुंजी, परीणाम, मैरीट सूची, चयन सूची व कार्यक्रम की सूचना संस्थान की अधिकारि वेबसाइट www.vtnss.online पर उपलब्ध करा दी जाएगी।
20. परीक्षा से सम्बन्धित किसी भी पूछताछ शिकायत, समाधान के लिए संस्थान ई-मेल पताः support@vtnss.online पर मेल करें या संस्थान के Helpline Number पर सम्पर्क करें।
21. यह संस्थान किसी भी व्यक्ति से दान या चंदा नहीं मांगती है अतः ऐसा पाये जाने पर हमें सूचित करावे या पुलिस को जानकारी दें।
२२. परीक्षा के आवेदन से सम्बंधित निर्धारित शुल्क का भुगतान कर रसीद अवश्य प्राप्त करें।
23. संस्थान से सम्बन्धित समस्त वाद-विवादों का न्याय केन्द्र बाड़मेर होगा ।
24. परीक्षार्थी द्वारा गलत तरीके से OMR Sheet भरना, काट-छांट करने व त्रुटि होने पर उसकी OMR sheet check नहीं की जावेगी, जिसके लिए विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

25. किसी भी OMR Sheet को दुबारा जांचने के लिए संस्थान जिम्मदार नहीं होगी। ऐसा करने पर अतिरिक्त शुल्क देय होगा।
26. परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी विद्यार्थी को किसी भी शर्त पर आवेदन शुल्क नहीं लौटाया जाएगा।
27. आवेदन करने के पश्चात किसी भी छात्र के परीक्षा केन्द्र, पाठ्यक्रम व कक्षा आदि में परिवर्तन नहीं किया जाएगा।
28. परीक्षार्थी को निर्धारित समयसीमा के अनुसार संस्थान की वेबसाईट पर Visit कर सम्बन्धित सूचना स्वयं ही प्राप्त करना होगा। इसके लिए अलग से call/sms/mail के माध्यम से सूचित करने के लिए संस्थान जिम्मेदार नहीं होगी।
29. परीक्षार्थी को किसी भी प्रकार का किराया-भत्ता आदि नहीं दिया जाएगा तथा इस दौरान घटित होने वाली किसी भी घटना या दुर्घटना के लिए संस्थान जिम्मेदार नहीं होगी।

"बेहतर से बेहतर की तलाश करो,
मिल जाए नदी तो समन्दर की तलाश करो।
टूट जाता है शीशा पत्थर की चोट से,
टूट जाए पत्थर ऐसा शीशा तलाश करो।"

ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा के आवेदन प्रक्रिया के संबंध में अधिक जानकारी हेतु वीर तेजा नवसृजन संस्थान, बाड़मेर की अधिकारिक वेबसाईट www.vtnss.online पर विजिट करें।

महत्वपूर्ण बिन्दु

किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए अनुशासन, नियमितता, लग्न और समर्पण अत्यंत आवश्यक है। एक विद्यार्थी के लिए निम्नलिखित नियमों का अनुसरण होना आवश्यक है। जो इस प्रकार है-

1. प्रतिदिन सूर्योदय से पूर्व बिस्तर छोड़कर ध्यान, योग, व्यायाम, प्राणायाम व शारीरिक स्वच्छता आदि नित्यकर्म करना चाहिए।
2. अपने माता-पिता व बड़े - बुजुर्गों को सादर प्रणाम कर दिन की शुरुआत करनी चाहिए।
3. अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।
4. विद्यालय समय के अलावा प्रतिदिन 5 से 6 घंटे स्वाध्याय करना चाहिए। इस दौरान विद्यालय में पढाए गए अध्यायों का दोहरान, गृहकार्य, लिखावट सुधार, चित्रकारी, नए प्रयोग, रुचिकर कार्य तथा अगले दिन पढाए जाने वाले अध्यायों का पूर्वाभ्यास किया जा सकता है।
5. अपना अध्ययन कक्ष साफ-सुथरा, शांत व चीजों को सुव्यवस्थित जमाया हुआ होना चाहिए ।
6. अपना एक लक्ष्य निर्धारित कर तय समय सीमा में उसे प्राप्त करने के लिए एक समय सारणी बनाकर उसका अनुसरण करें तथा उस समय-सारणी व निर्धारित लक्ष्य को लिखकर अपनी अध्ययन मेज के पास चिपकाएं जहाँ आप उसे हरदम देख सकें।
7. कभी-कभी किसी कारणवश निर्धारित समय- सारणी का पूर्ण रूप से अनुसरण न सके तो निराश होने की बजाएं उसमें सुधार करें तथा पुनः अनुसरण करना प्रारंभ करें।
8. अपनी परिस्थितियों एवं स्वविवेक के अनुसार सोच समझकर अपना लक्ष्य निर्धारित करें तथा निर्धारित लक्ष्य में बार-बार बदलाव न करें।
9. निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समय सीमा, आवश्यक संसाधनों, प्रयासों एवं तरीकों की जानकारी अवश्य रखें।
10. अपने कार्यों को बिना किसी अड़चन या गलती के ठीक समय पर पूरा करने के लिए हमेशा To Do List बनाएं।
11. आप अपने शरीर व मस्तिष्क को मजबूत बनाने के लिए नियमित अभ्यास करे।
12. प्रतिदिन 1 से 2 घण्टे खेल, शारीरिक व्यायाम व शारीरिक श्रम अवश्य करें।

13. आप अपने Short Term, long Term और Life Time लक्ष्य निर्धारित करें जैसा कि आपको एक सप्ताह, एक माह या एक वर्ष में क्या हासिल करना है ये Short Term लक्ष्य है। आपको अगले 5 सालों में, 25 सालों में क्या हासिल करना है यह Long Term लक्ष्य है। तथा आपको अपने सम्पूर्ण जीवन में क्या हासिल करना है यह Life Time लक्ष्य है।
14. अपनी पढ़ाई के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जीवों की रक्षा व नैतिक कार्य अवश्य करें।
15. मोबाईल आपके शरीर, मन व मस्तिष्क को कमजोर बनाता है इसलिए जहाँ तक सम्भव हो मोबाईल का उपयोग न करें।
16. शरीर ही नहीं मस्तिष्क को भी थकान होती है इसलिए देर रात तक न जागें ।
17. आपके लिए जो तरीका उचित हो उसके अनुसार योजना बनाकर पढाई करें, नए सपने देखें, नकारात्मक विचारों को रोकें, प्रसन्नचित रहने का प्रयास करें, सकारात्मक विचारों को स्थान दें, गुस्से एवं भावनाओं पर नियंत्रण स्थान है, दूसरों की मदद करें, स्वावलंबी बनें, अधिक से अधिक अच्छे मित्र बनाएं, सच्चाई एवं ईमानदारी को सर्वोपरी रखें, अपना कार्य समय पर पूर्ण करें, अपने कर्त्तव्यों के प्रति इमानदार रहें। प्रतिदिन धन की बचत करें।
18. कठिन विषय को चुनौती के रुप में स्वीकार करें, उसका बार-बार अध्ययन करें तथा कक्षा में गुरुजनों व सहपाठियों से विषय के सम्बन्धित अधिकाधिक सार्थक व अति महत्वपूर्ण सवाल पूछें।
19. गलती इंसान से होती है और वह गलतियों से ही सीखता है इसलिए गलती होने पर माफी मांगने और माफ करने की क्षमता रखें। दूसरों की गलतियों से सबक लेकर अपने आपको सक्षम बनाएं।
20. प्राकृतिक आपदाओं को दुर्घटनाओं, बुरे एवं नकारात्मक लोगों, विचारों, कर्त्तव्यों एवं नशे के चंगुल से अपने आपको सावधान रखें व अपनी आदतों में नियमित सुधार करें।
21. अपने पूर्वजों, महापुरुषों, आदर्शों, स्वतंत्रता सेनानियों, धर्मग्रन्थों, धर्मों, राष्ट्रीय प्रतीकों, धरोहरों एवं संविधान का सम्मान करें। सार्वजनिक सम्पति को कभी नुकसान न पहुंचाएं।
22. नशा बाल विवाह, अंधविश्वास, मृत्युभोज तथा सामाजिक कुरीतियों का त्याग करें व जन सामान्य में वैचारिक क्रांति के आधार पर तर्क-वितर्क कर जागृति लाने का यथासंभव प्रयास करें।